राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उतरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023
(Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

सुरत–गुजरात, संस्करण बुधवार,15 जुलाई2020 वर्ष–3, अंक –169 पृष्ठ–04 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पायलट की बर्खास्तगी के बाद राजस्थान में भड़क सकता है गुर्जर आंदोलन

जयपुर (एजेसी)। राजस्थान के उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट, कैबिनेट मंत्री विश्वेंद्र सिंह व रमेश मीणा की बर्खास्तगी के बाद राज्य में गुर्जर आंदोलन भड़कने की आशंका है। इसे देखते हुए

गुर्जर बहुल जिलों दौसा, धौलपुर, भीलवाड़ा, अजमेर, टोंक, सवाईमाधोपुर व करौली जिलों में हाई अलर्ट घोषित किया गया है। इन जिलों में अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती भी की गई है। पायलट और उनके तीन समर्थक मंत्रियों को मंत्रिमंडल से बर्खास्त करने के बाद उनके समर्थक विधायक रामनिवास गावरिया ने ट्वीट कर कहा, ष्हर किसी का दमन करना तुम्हारा पेशा है। तुम्हारे दमन को सहना अब हमारे बस का नहीं है।

पुरखों के हक और अपमान का बदला लेकर जादूगर के दमन का अंत राजस्थान में पायलट के नेतृत्व में युवा पीढ़ी करेगी।ष

इस बीच, बानसूर में गुर्जर समाज के लोगों ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और स्थानीय विधायक शकुंतला रावत का पुतला फूंका। वहीं, दौसा जिले में भी सचिन पायलट के समर्थक सड़क पर उतर आए और मंत्री ममता भूपेश का पुतला फूंका।

ममता ने सीएम गहलोत को समर्थन दिया है। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि सचिन पायलट के समर्थन के चलते ही ममता भूपेश विधायक बनी थीं।

सचिन पायलट के निर्वाचन क्षेत्र टोंक जिले में प्रदेश कांग्रेस सदस्य सऊद सईदी ने इस्तीफा दे दिया है।

वहीं, टोंक में रेल लाओ संघर्ष समिति के अध्यक्ष अकबर खान ने ट्वीट कर सचिन पायलट से कहा, ष्मैं और मेरे पूरे लोग दलबल के निर्णय में आपके साथ हैं। उनके समर्थकों ने गहलोत के खिलाफ नारेबाजी की।

खुफिया विभाग को मिले इनपुट के आधार पर सुरक्षा बढ़ाई गई है।

उल्लेखनीय है कि पौने दो साल पहले जब कांग्रेस सत्ता में आई तो मुख्यमंत्री पद को लेकर गहलोत व पायलट के बीच चली खींचतान के दौरान भी गुर्जर समाज के लोगों ने कई जगह उपद्रव किया था।

राजस्थान के सियासी संकट पर भाजपा की बैठक

जयपुर (एजेसी)। राजस्थान में जारी सियासी संकट पर भ.रतीय जनता पार्टी की बुधवार को जयपुर में बैठक आयोजित की गई है। बैठक में पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे भी शामिल होंगी और राज्य भाजपा नेताओं के साथ मौजूदा हालात पर चर्चा करेंगी।

सूत्रों के अनुसार सचिन पायलट की बगावत को लेकर कांग्रेस खेमे में मची खलबली के बाद बीजेपी बैठक में आगे का रास्ता अख्तियार करेगी। पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व ने स्थिति का जायजा लेने के लिए वरिष्ठ नेता ओम माथुर को जयपुर भेजा है। उनके कल की बैठक में शामिल होने की उम्मीद है।

इससे पूर्व कांग्रेस ने सचिन पायलट को उपमुख्यमंत्री पद से हटा दिया।

साथ–साथ उनसे प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष का पद भी ले लिया गया। जयपुर में पार्टी हेडक्वार्टर पर से पायलट के पोस्टर भी हटा दिये गए और उनकी जगह गोविंद सिंह दा.स्तारा का पोस्टर लगाया गया, जिन्हें राजस्थान प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष बनाया गया है।

बता दें कि कांग्रेस ने राज्य में हुए पूरे घटनाक्रम के लिए भाजपा को जिम्मेदार ठहराया है।

कांग्रेस ने आरोप लगाए कि भाजपा, अशोक गहलोत सरकार को गिराने की साजिश रच रही है। कांग्रेस प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने प्रेस को संबोधित करते हुए कहा कि राजस्थान के चार दिन के घटनाक्रम से सब परिचित हैं। भाजपा ने एक षड्यंत्र के तहत राजस्थान की चुनी हुई सरकार को गिराने की साज़िश की है। भाजपा ने धनबल, सत्ता बल, ईडी और इनकम टैक्स विभाग का गलत इस्तेमाल किया गया है।

पूरे देश ने देखा कि अशोक गहलोत सरकार के विधायकों को

सचिन पायलट पर कार्रवाई से दुखी पर 6 माह से चल रही साजिश के बाद लिया यह फैसला : गहलोत

जयपुर (एजेसी)। राजस्थान में चल रहे राजनीतिक ड्रामे का पटाक्षेप सचिन पायलट को उपमुख्यमंत्री पद से हटाने के साथ हो गया है। उन्हें प्रदेश अध्यक्ष पद से भी हटा दिया गया है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने राज्यपाल कलराज मिश्र के पास जाकर उन्हें इसकी जानकारी दे दी। इसके बाद मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि पिछले छह महीने से षडयंत्र चल रहा था। हमारे कुछ साथी गुमराह होकर दिल्ली चले गए। हम सबको जानकारी थी कि हॉर्स ट्रेडिंग चल रही है। ये चलता रहा, चलता रहा और ये स्थिति आज इसलिए पहुंची है क्योंकि हमारे कुछ साथी गुमराह होकर दिल्ली चले गए। लेकिन बीजेपी का मंसूबा पूरा नहीं हुआ। बीजेपी ने धन–बल के आधार पर जो खेल खेला है पहले कर्नाटक, मध्य प्रदेश वही राजस्थान में करना चाहते थे। ये बीजेपी का खुला खेल था। जो लोग उधर गए हैं, वे भी समझ रहे हैं कि उन पर जनता का प्रेशर है।

उन्होंने कहा कि मैं दुखी होकर कह रहा हूं कि हॉर्स ट्रेडिंग हो रही थी। देश में पहली बार ऐसी सरकार है जो धनबल के आधार पर सरकारों को तोड़ रही है। आजतक कभी ऐसा नहीं हुआ। 70 सालों में पहली बार लोकतंत्र खतरे में है। सरकारें बदली हैं, लेकिन कभी भी ऐसा नहीं हुआ। सरकारें बदलने से लोकतंत्र मजबूत हुआ है, लेकिन पहली बार उसे कमजोर किया जा रहा है।

इंदिरा गांधी, राजीव गांधी को देश ने चुनाव हारते हुए देखा है। हमने जनता के फैसले को स्वीकार करते आए हैं। इस तरह की हॉर्स ट्रेडिंग से देश किधर जाएगा। सचिन पायलट पर गहलोत ने कहा कि हमने उन्हें कल भी मौका दिया था।

अयोध्या पर दिए बयान पर अपने ही घर में घिरे ओली, थापा बोले– भारत–नेपाल संबंधों को खराब करना चाहते हैं

काठमांडू। नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने भगवान राम के जन्मस्थान को लेकर विवादित टिप्पणी की थी। इसके बाद ओली अपने ही घर पर घिर गए हैं। नेपाल के कई नेताओं ने खुलकर ओली के इस बयान का विरोध किया है। नेताओं ने कहा कि भारत और नेपाल के बीच वैसे भी तनाव की स्थिति बनी हुई है ऐसे में कोली को ऐसे दावों से बचना चाहिए।

ओली ने किया बेबुनियादी दावा

ओली अपनी सत्ता को जाते हुए देख लगातार भारत पर निशाना साध रहे हैं। सोमवार को उन्होंने दावा किया कि भारत ने सांस्कृतिक अतिक्रमण के लिए नकली अयोध्या का निर्माण किया है। जबकि, असली अयोध्या नेपाल में है। ओली पहले कह चुके हैं कि भारत उनको सत्ता से हटाने की साजिश रच रहा है। ओली ने सवाल किया कि उस समय आधुनिक परिवहन के साधन और मोबाइल फोन (संचार) नहीं था तो राम जनकपुर तक कैसे आए?

राष्ट्रीय प्रजातांत्री पार्टी के सह-अध्यक्ष कमल थापा ने कहा कि प्रधानमंत्री के लिए इस तरह के निराधार, अप्रमाणित बयानों से बचना चाहिए। थापा ने ट्वीट किया, 'ऐसा लग रहा है कि पीएम तनावों को हल करने के बजाय नेपाल-भारत संबंधों को और खराब करना चाहते हैं।'

इसी तरह, राष्ट्रीय योजना आयोग के पूर्व उपाध्यक्ष स्वर्णिम वागले ने चेतावनी दी कि भारतीय मीडिया कल पीएम के बयान से विवादास्पद सुर्खियां बटोर सकता है और बना सकता है।

सोशल मीडिया यूजर्स प्रधानमंत्री के अयोध्या बयान की खबरों पर टिप्पणी करते रहे हैं। कुछ हास्यास्पद, कुछ इसे हल्के में ले रहे हैं, जबकि कुछ गंभीरता से दावों पर सवाल उठा रहे हैं। हालांकि, पीएम ने इस घटना का उल्लेख किया था कि कई बुद्धिजीवी यह कहने के लिए उनका मजाक उड़ाएंगे कि राम नेपाल के थे।

नेपाल पर सांस्कृतिक रूप से किया गया अत्याचार

नेपाली कवि भानुभक्त आचार्य की 206वीं जयंती पर प्रधानमंत्री के आधिकारिक आवास ब्लूवाटर पर आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि नेपाल पर सांस्कृतिक रूप से अत्याचार किया गया है। ऐतिहासिक तथ्यों को भी तोड़ा मोड़ा गया है। हम अब भी मानते हैं कि हमने भारतीय राजकुमार राम को सीता दी थी।

लद्दाख में एडवांस फ्रंट पर बढ़ेगी सेना की तैनाती, सैटेलाइट से चीनी हरकतों पर होगी नजर

नई दिल्ली। पिछले दो महीने से भी अधिक समय से वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर जारी टकराव हालांकि कम हो रहा है और अगले कुछ दिनों में इसके खत्म होने की उम्मीद भी है, लेकिन इस घटना से सबक लेते हुए भारतीय सेना एलएसी पर अपनी रणनीति में अहम बदलाव की तैयारियों में जुट गई है। सूत्रों का कहना है कि भविष्य में वहां पहले की अपेक्षा ज्यादा सैनिक तैनात किए जाएंगे। सूत्रों के अनुसार नई रणनीति के तहत गलवान घाटी से लेकर पेंगोंग लेक इलाके तक के करीब सवा दो किलोमीटर क्षेत्र में सेना एवं आईटीबीपी की तैनाती में इजाफा किया जाएगा। यह इजाफा मई से पहले की तुलना में ज्यादा होगा। अभी लद्दाख में सेना के चार

सूत्रों के अनुसार नई रणनीति के तहत गलवान घाटी से लेकर पेंगोंग लेक इलाके तक के करीब सवा दो किलोमीटर क्षेत्र में सेना एवं आईटीबीपी की तैनाती में इजाफा किया जाएगा।

डिवीजन हैं जिन्हें चीनी सेना के पीछे हटने के बाद कम किया जाएगा, लेकिन जब हालात सामान्य हो जाएंगे तो भी एलएसी के इस हिस्से को संवेदनशील मानकर अतिरिक्त तैनाती की जाएगी।

चीन ने उठाया 59 चीनी ऐप्स बैन किए जाने का मुद्दा, भारत ने दिया दो टूक जवाब

सरकारी सूत्रों का कहना है कि एलएसी के पीछे, लेकिन अग्रिम मोर्चों पर कम से कम छह से आठ हजार अतिरिक्त जवानों की तैनाती की जा सकती है। इसमें सेना एवं आईटीबीपी दोनों के जवान शामिल होंगे। मकसद यह है कि भविष्य में चीन की किसी भी धोखेबाजी से निपटने के लिए सेना हमेशा तत्पर रहे।

सूत्रों के अनुसार मौजूदा टकराव वाले क्षेत्रों के निकट तैनाती को नया स्वरूप दिया जाएगा। निगरानी की प्रक्रिया को भी व्यापक बनाया जा सकता है। इसमें पेट्रोलिंग के साथ-साथ इलेक्ट्रॉनिक सर्विलांस भी आरंभ किए जाने की संभावना है। उपग्रह के जरिए भी चीनी गतिविधियों पर विशेष फोकस रखा जाएगा।

सीएम नीतीश ने बुलाई हाई लेवल मीटिंग, बिहार में एक बार फिर लग सकता है पूर्ण लॉकडाउन!

पटना। बिहार में एक बार फिर से पूर्ण लॉकडाउन की तैयारी है। मंगलवार को नीतीश सरकार ने आलाधिकारियों की हाई लेवल बैठक बुलाई है। मीटिंग में सूबे में बढ़ते कोरोना के मामलों की समीक्षा होगी। इसके बाद और अंतिम तौर पर लॉकडाउन पर सहमति बनाई जाएगी। बिहार के मुख्य सचिव दीपक कुमार ने कहा है कि राज्य सरकार पूर्ण लॉकडाउन पर विचार कर रही है। मंगलवार तक इस संबंध में निर्णय लिया जाएगा।

सोमवार को सभी 38 जिले में 1116 नए कोरोना संक्रमितों की पहचान की गई– उल्लेखनीय है कि बिहार में कोरोना संक्रमण की स्थिति विस्फोटक हो गई है। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार राज्य के सभी 38 जिलों में सोमवार को 1116 नए कोरोना संक्रमितों की पहचान की गई। राज्य में कोरोना संक्रमितों की संख्या बढ़कर 17,421 हो गयी। वहीं राज्य में एक डॉक्टर की भी संक्रमण से मौत हो गई। राज्य में कोरोना संक्रमण से किसी डाक्टर की मौत का यह पहला मामला है। एम्स, पटना के आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि 54 वर्षीय डॉ अश्वनी नंदकुलियार की मौत हो गयी। वे गया में जेनरल फिजिशियन थे और निजी क्लीनिक चलाते थे। इसके साथ ही 9 संक्रमित मरीजों की मौत हो गयी।

बिहार सरकार के मंत्री सहित 1116 नए कोरोना संक्रमित मिले, 9 की मौत– जांच रिपोर्ट में पॉजिटिव पाए गए मंत्री शैलेश कुमार के बारे में बताया गया कि क्षेत्र में ही किसी कार्यकर्ता से संपर्क में आने के बाद वे संक्रमित हो गए। मंत्री अपने आवास में ही क्वारंटाइन हो गए हैं। इधर ग्रामीण कार्य विभाग का एक सहायक भी कोरोना पॉजिटिव पाया गया है। इसके बाद विभाग के अधिकारियों व कर्मचारियों में हड़कंप है। वहीं, जदयू नेता अजय आलोक ने ट्वीट कर बताया कि उनकी पत्नी, बेटी और बेटा तीनों कोरोना संक्रमित हो गए हैं।

चीन के साथ तनाव के बीच केंद्र सरकार ने दी ब्रह्मपुत्र नदी के नीचे 'ड्रैगन' से लंबी टनल बनाने की सैद्धांतिक मंजूरी

नई दिल्ली। भारत-चीन तनाव के बीच केंद्र सरकार ने ब्रह्मपुत्र नदी के नीचे 14 किलोमीटर टनल बनाने की सैद्धांतिक मंजूरी दे दी है। खास बात यह है कि देश की पहली नदी के नीचे बनने वाली सड़क परिवहन टनल पूर्वी चीन के ताइहू झील के नीचे बन रही सड़क परिवहन टनल से अधिक लंबी है। अत्याधुनिक तकनीक से बनने वाली टनल असम-अरुणाचल प्रदेश से सालभर कनेक्टिविटी मुहैया कराने के चलते सामरिक दृष्टि से बहुत महत्वपूर्ण है। आने और जाने के लिए पृथक दो ट्यूब वाली इस टनल में सैन्य वाहन, रसद-हथियार पहुंचाने वाले वाहन 80 किलोमीटर की रफ्तार पर फर्राटा भर सकेंगे। सरकार असम के गोहपुर (एनएच-54) से

उपक्रम के एक शीर्ष अधिकारी ने बताया कि एलाइनमेंट सहित तमाम प्रक्रिया पूरी कर ली गई है और दिसंबर में टनल निर्माण का कार्य शुरू कर दिया जाएगा।

नुमालीगढ़ (एनएच-37) को जोड़ने के लिए ब्रह्मपुत्र नदी के नीचे चार लेन सड़क परिवहन टनल बनाने की योजना पर तेजी से काम कर रही है। सड़क परिवहन व राजमार्ग मंत्रालय के सार्वजनिक उपक्रम राष्ट्रीय राजमार्ग अवसंरचना विकास निगम लिमिटेड (एनएचएआईडीसीएल) ने अमेरिका की पेशावर कंपनी लुइस बर्जर कंपनी द्वारा तैयार प्री-फिजिबिलटी रिपोर्ट व डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट (डीपीआर) को 18 मार्च को सैद्धांतिक मंजूरी दे दी गई है।

उपक्रम के एक शीर्ष अधिकारी ने बताया कि एलाइनमेंट सहित तमाम प्रक्रिया पूरी कर ली गई है और दिसंबर में टनल निर्माण का कार्य शुरू कर दिया जाएगा।तीन पैकेज में बनने वाली यह सड़क परिवहन टनल कुल 14.85 किलोमीटर लंबी होगी। यह देश की पहल टनल होगी जोकि नदी के नीचे बनाई जा रही है। उन्होंने बताया कि पूर्वी चीन के ताइहू झील के नीचे निर्माणाधीन सड़क परिवहन टनल की लंबाई 10.79 किलोमीटर है। ब्रह्मपुत्र नदी के नीचे बनने वाली टनल में आने और जाने के लिए पृथक दो ट्यूब (कैप्सूल) होंगे। बीच में यह दोनो ट्यूब आपस में जुड़ें होंगे। टनल के भीतर पानी नहीं घुसने के कई सुरक्षा चक्र होंगे।

टनल में ताजी हवा के लिए वेंटिलेशन सिस्टम, फायर फाइटिंग, रेलिंग युक्त फुटपाथ, ड्रेनेज सिस्टम, मार्ग प्रकाश, इमरजेंसी निकास आदि होंगे। टनल में पहली बार कैश बैरियर लगाए जाएंगे। जिससे 80-100 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार दौड़ने वाले वाहनों के दुर्घटना होने पर वाहन पलटने के बजाए क्रैश बैरियर से टकरा कर सड़क पर आ जाएंगे।

2030 तक भारतीय रेल हो जाएगी ग्रीन रेलवे, डीजल इंजन से मिलेगी आजादी, सोलर एनर्जी से जगमग होंगे स्टेशन

नई दिल्ली। भारतीय रेलवे ने साल 2030 तक ग्रीन रेलवे में बदलने का लक्ष्य रखा है। ऐसा मकाम हासिल करने वाली भारतीय रेल दुनिया की पहली रेलवे होगी। रेल मंत्रालय ने ग्लोबल वार्मिंग को कम करने और जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए कई बड़ी पहल की है। रेलवे ने 40,000 से अधिक रूट किमी (आरकेएम) का विद्युतीकरण पूरा कर लिया है, जिसमें 2014-20 के दौरान 18,605 किलोमीटर का विद्युतीकरण कार्य किया गया है। इससे पहले, 2009-14 की अवधि के दौरान केवल 3,835 किमी विद्युतीकरण का काम पूरा हुआ था।

रेल मंत्रालय द्वारा जारी बयान में कहा गया है कि भारतीय रेलवे ने साल 2020-21 के लिए 7,000 आरकेएम के विद्युतीकरण का लक्ष्य तय किया है। ब्रॉड गेज (बीजी) नेटवर्क पर सभी मार्गों को दिसंबर 2023 तक विद्युतीकृत करने की योजना बनाई गई है। रेलवे अंतिम मील कनेक्टिविटी के विद्युतीकरण पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। इसे ध्यान में रखते हुए, कोरोना वायरस की अवधि के दौरान 365 किमी के प्रमुख कनेक्टिविटी कार्य को चालू किया गया है।

सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए कई पहल

भारतीय रेलवे ने सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए भी कई पहल की है। भारतीय रेलवे रूफटॉप सोलर पैनल (डेवलपर मॉडल) के माध्यम से 500 मेगा वाट ऊर्जा की क्षमता का दोहन करने के लिए काम कर रहा है। अब तक 900 स्टेशनों सहित विभिन्न इमारतों की छत पर 100 मेगा वाट के सोलर प्लांट लगाए गए हैं। 400

मेगावाट की संयुक्त क्षमता वाले सौर संयंत्र निष्पादन के विभिन्न चरणों में हैं। निविदाएं पहले से ही 245 मेगावाट के लिए प्रदान की जाती हैं और इन संयंत्रों को पूरा करने का लक्ष्य दिसंबर 2022 है।

पवन ऊर्जा पर भी काम चालू

पवन ऊर्जा क्षेत्र में 103 मेगावाट पवन आधारित बिजली संयंत्रों को पहले ही चालू कर दिया गया है। इनमें 26 मेगावाट राजस्थान (जैसलमेर) में, 21 मेगावाट तमिलनाडु में और 56.4 मेगावाट महाराष्ट्र (सांगली) में है। भारतीय रेलवे ने तमिलनाडु, गुजरात, राजस्थान और कर्नाटक में अगले दो वर्षों में 200 मेगावाट पवन ऊर्जा संयंत्र स्थापित करने की योजना बनाई है।

जलवायु परिवर्तन में अपनी भूमिका का एहसास करते हुए भारतीय रेलवे ने इमारतों और स्टेशनों की 100 प्रतिशत एलईडी रोशनी जैसी अन्य हरित पहल शुरू की है। ग्रीन इनिशिएटिव्स के क्षेत्र में भारतीय रेलवे में 2,44,000 से अधिक जैव-शौचालयों के साथ कुल 69,000 कोच लगाए गए हैं।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

रिजल्ट के आगे

कोरोना महामारी ने इंसानी जिंदगी के तमाम पहलुओं को बुरी तरह प्रभावित किया है। जाहिर है, शैक्षणिक क्षेत्र को भी इसके कारण काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। आलम यह है कि कुछ विषयों की बोर्ड परीक्षाएं तक रोक देनी पड़ीं, कॉलेज-यूनिवर्सिटी की परीक्षाओं को लेकर तो अब भी असमंजस की स्थिति है। पर इन तमाम दुश्वारियों के बीच केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड यानी सीबीएसई की इस बात के लिए सराहना की जानी चाहिए कि उसने न सिर्फ परीक्षा प्रक्रिया को पूरा करने का रास्ता निकाला, बल्कि अब उसने बारहवीं कक्षा के परिणाम भी घोषित कर दिए हैं। सुखद यह भी है कि पिछले वर्ष के मुकाबले इस साल उत्तीर्ण होने वालों की दर में पांच फीसदी से अधिक की बढ़ोतरी हुई है। इस वर्ष 88.78 प्रतिशत से अधिक बच्चे सफल हुए हैं, जबकि पिछले साल 83.4 फीसदी कामयाब रहे थे। इस बार भी सरकारी विद्यालयों का प्रदर्शन शानदार रहा है। जवाहर नवोदय विद्यालयों व केंद्रीय विद्यालयों के 98.5 प्रतिशत से अधिक बच्चे सफल रहे हैं, तो लड़कियों का पलड़ा एक बार फिर भारी रहा है। हालांकि, मेधावी बच्चों को थोड़ी-सी निराशा जरूर हुई होगी, क्योंकि इस बार बोर्ड ने प्रतिभा सूची जारी नहीं की है, लेकिन बोर्ड ने एक अच्छी पहल यह की है कि उसने अनुत्तीर्ण बच्चों के लिए 'फेल' शब्द का इस्तेमाल करना बंद कर दिया है। उसकी बजाय 'एसेन्शियल रिपीट', यानी उन्हें फिर से कक्षा दोहराने के लिए कहा है। काफी लंबे समय से फेल शब्द को लेकर समाज और शैक्षिक क्षेत्र में बहस छिड़ी हुई थी कि यह कई बच्चों को मानसिक रूप से तोड़ देता है और भावुक क्षणों में वे आत्मघाती कदम उठा बैठते हैं। यह सही है कि अनुत्तीर्ण बच्चों के परिणाम में शब्दों के हेर-फेर से कोई फर्क नहीं पड़ेगा, मगर कई बार रूढ़ अर्थ इतने मारक हो जाते हैं कि ऐसे शब्दों को त्यागना ही बेहतर होता है। एकाधिक विषय में पिछड़ गए 87,451 बच्चों के पास अभी भी मौका है कि वे पूरक परीक्षा के जरिए अपने अंक दुरुस्त कर सकें। सरकार को इस अहम पड़ाव के आगे के रास्ते को लेकर अब अपना रुख साफ करना होगा। कॉलेजों में दाखिले की क्या प्रक्रिया होगी? यदि ऑनलाइन प्रवेश परीक्षाएं ली गईं, तो क्या इन साढ़े 10 लाख से अधिक बच्चों में से सबके पास वैसी सुविधाएं या संसाधन हैं कि वे ऐसी प्रक्रिया में भाग ले सकें? सरकार को सुनिश्चित करना होगा कि किसी बच्चे के साथ व्यवस्थागत त्रुटियों की वजह से कोई अन्याय न हो। महामारी के कारण अभी तमाम शिक्षण संस्थान बंद हैं। शहरी इलाकों के निजी-सरकारी स्कूलों ने ऑनलाइन कक्षाओं का संचालन शुरू कर दिया है। पर समर्थ अभिभावकों के साथ भी परेशानी यह आ रही है कि वे चाहकर भी अपने बच्चों को लैपटॉप या टैबलेट नहीं दिला पा रहे। विभिन्न क्षेत्रों में 'वर्क फ्रॉम होम' की बढ़ती जरूरत ने बाजार में इन उत्पादों की कमी पैदा कर दी है। सीबीएसई द्वारा आगामी परीक्षाओं के लिए पाठ्यक्रम में कटौती और अब परिणामों की घोषणा सही दिशा में उठे कदम हैं। जिस रफ्तार से कोरोना-संक्रमण बढ़ रहा है, उसे देखते हुए स्कूलों-कॉलेजों के खुलने की फिलहाल तो कोई सूरत नजर नहीं आती। पर इस महामारी से लड़ते हुए भी हम जैसे जीने का जीवट दिखा रहे हैं, वैसे ही हमें पढ़ने और आगे बढ़ने की नई पात्रता भी हासिल करनी होगी।

मौद्रिक रणनीति से कोरोना संकट का मुकाबला

भरत झुनझुनवाला

कोरोना का सामना करने के लिए रिज़र्व बैंक नोट छाप रहा है। इसका रहस्य समझें। सरकारी खर्च को पोषित करने के लिए तीन प्रकार से रकम जुटाई जाती है। पहला है सरकार टैक्स वसूल करे जैसे जीएसटी, आयात कर अथवा इनकम टैक्स से रकम उपार्जित कर अपने खर्चों को पोषित करती है। दूसरा उपाय है नोट छाप कर। रिजर्व बैंक नोट छापे और छापे गये नोटों को सरकार ऋण के रूप में हासिल करके अपने खर्चों को पोषित करे। तीसरा उपाय है कि सरकार बाह्य ऋण ले। ये ऋण विश्व या अपने घरेलू मुद्रा बाजार से लिए जा सकते हैं और सरकारी खर्च पोषित किये जा सकते हैं। विषय यह है कि इन तीन में से सरकार को नोट छापना ही क्यों पसंद है? रकम जुटाने का पहला उपाय टैक्स है। इसमें टैक्स का बोझ तत्काल जनता पर पड़ता है। जैसे सरकार ने जीएसटी की दर 18 प्रतिशत से बढ़कर 24 प्रतिशत कर दी तो आप बाजार से जो माल खरीदेंगे, उस पर आज ही आपको अधिक रकम अदा करनी पड़ेगी। तुलना में जिस मद पर खर्च किये जाते हैं, उनसे वर्तमान में लाभ हो सकता है और भविष्य में भी। जैसे सरकार यदि मनरेगा में खर्च बढ़ाये या खाद्यान्न सब्सिडी दे तो खर्च का लाभ जनता को तत्काल होता है। लेकिन यदि रकम का उपयोग बुलेट ट्रेन या हाईवे बनाने में किया गया तो लाभ दीर्घकाल में आता है। अतः टैक्स का बोझ वर्तमान में पड़ा जबकि इसके लाभ का एक अंश वर्तमान में मनरेगा के कारण और एक अंश भविष्य में बुलेट ट्रेन के कारण मिला। मौद्रिक नीति के अंतर्गत रिजर्व बैंक नोट छापकर बैंक को उपलब्ध करा देता है और बैंक द्वारा सरकार द्वारा जारी बांड खरीदे जाते हैं। इस व्यवस्था का प्रभाव भविष्य में पड़ता है। जैसे यदि आज मान लीजिये हमारे देश में 100 करोड़ रुपये की मुद्रा प्रचलन में है। रिजर्व बैंक ने 10 करोड़ की मुद्रा और छापी और सरकार ने यह 10 करोड़ की मुद्रा ऋण के रूप में बैंकों से हासिल कर ली। अब बाजार में माल पूर्ववत 100 करोड़ रुपये का ही है लेकिन मुद्रा 110 करोड़ की उपलब्ध हो गई। फलस्वरूप महंगाई बढ़ी। लेकिन इस महंगाई को बढ़ने में कुछ समय लग जाता है। सरकार जब खर्च करेगी, जब उस ऋण से सीमेंट खरीदेगी तब बाजार में सीमेंट का दाम बढ़ेगा तब महंगाई बढ़ेगी। इसलिए नोट छापने का प्रभाव भविष्य में पड़ता है। लेकिन यदि उस रकम का खर्च मनरेगा में किया गया तो लाभ तत्काल हो जायेगा। ऐसे में मौद्रिक नीति का भार भविष्य में पड़ता है जबकि उसका लाभ वर्तमान या भविष्य दोनों तरह से पड़ सकता है जो कि इस पर निर्भर करता है कि खर्च किस कार्य में किया गया। तीसरा उपाय घरेलू अथवा विश्व बाजार से सीधे ऋण लेने का है। इस ऋण पर जो ब्याज दिया जाता है, उसका भार भी भविष्य में पड़ेगा। जैसे सरकार ने यदि आज 10 करोड़ का ऋण लिया तो उस पर 1 करोड़ का जो ब्याज का भार होगा, वह आने वाले समय में पड़ेगा जबकि 10 करोड़ रुपया सरकार को तत्काल मिल जायेगा। इस प्रकार नोट छापने और ऋण लेने का भार भविष्य में पड़ता है परन्तु लाभ कुछ वर्तमान में और कुछ भविष्य में पड़ता है। स्पष्ट होगा कि वित्तीय व्यवस्था में जनता पर बोझ वर्तमान में पड़ता है जबकि आंशिक लाभ भविष्य में मिलता है। इसके विपरीत नोट छापने और ऋण लेने में भार भविष्य में पड़ता है और आंशिक लाभ वर्तमान में। इसी मुद्दे का दूसरा हिस्सा गरीब और अमीर पर अलग-अलग प्रभाव का है। यदि टैक्स ईंधन तेल अथवा आयातित माल पर लगाया गया तो भार अमीरों पर ज्यादा पड़ता है और यदि टैक्स कपड़े और माचिस पर लगाया गया तो भार गरीब पर अधिक पड़ता है। इस रकम का खर्च यदि बुलेट ट्रेन और राष्ट्रीय राजमार्ग बनाने में किया गया तो उसका लाभ अमीर को अधिक मिलेगा, तुलना में यदि खर्च झुग्गी में लाइट लगाने अथवा गांव में सड़क बनाने अथवा मनरेगा में किया गया तो लाभ गरीब को मिलेगा। इस प्रकार वित्तीय नीति में किस वर्ग पर भार पड़ेगा और किसको लाभ होगा, यह बारीकी का विषय हो जाता है। मौद्रिक नीति में रिजर्व बैंक जब नोट छापता है और उससे बाजारों में नोट की संख्या बढ़ती है तो वह अमीर और गरीब सभी को प्रभावित करता है, जैसे वर्षा में सभी भीगते हैं। लेकिन नोट छापकर किये गये खर्च का प्रभाव पुनः इस बात पर निर्भर करेगा कि खर्च बुलेट ट्रेन पर किया गया अथवा झुग्गी की लाइट पर। ऋण की स्थिति भी वित्तीय व्यवस्था के समान है। यदि आज सरकार ऋण लेती है तो आने वाले समय में उस पर ब्याज अदा करना पड़ेगा। इस ब्याज को अदा करने के लिए यदि सरकार ने ईंधन तेल और आयातों पर टैक्स लगाया तो भार अमीर पर पड़ेगा और यदि टैक्स कपड़े और माचिस पर लगाया तो भार गरीब पर पड़ेगा। इस प्रकार सभी नीतियों के खर्च का गरीब और अमीर पर प्रभाव इस बात पर निर्भर करता है कि आपने किस वर्ग पर खर्च किया। मूल विषय भविष्य और वर्तमान का है। वित्तीय नीति में हम वर्तमान जनता पर भार आरोपित करते हैं, जिसका लाभ भविष्य में मिलता है। जैसे पिता बच्चे की शिक्षा में निवेश करता है तो परिवार को लाभ भविष्य में मिलता है। इसके विपरीत मौद्रिक और ऋण की नीति में लाभ वर्तमान में मिलता है जबकी भार भविष्य में पड़ता है जैसे पिता ऋण लेकर लग्जरी कार खरीदे और उस ऋण की भरपाई उसके परिजनों द्वारा भविष्य में की जाये। इन नीतियों में दूसरा अंतर है कि नोट छापने में सरकार को किसी को जवाब नहीं देना पड़ता। रिजर्व बैंक नोट छापता है और बैंकों को उपलब्ध कराता है, बैंक उस रकम से सरकार के बांड खरीद लेते हैं और वह रकम चुपचाप सरकार के पास पहुंच जाती है। लेकिन सरकार टैक्स लगाती है तो जनता सवाल पूछती है; यदि बाहरी ऋण लेती है तो रेटिंग एजेंसियां सवाल पूछती हैं। अतः सरकार के लिए सबसे आरामदेह यह होता है कि वह रिजर्व बैंक से कहे कि वह नोट छापे और उस नोट को लेकर सरकार अपने खर्च बढ़ाये। इससे सरकार को वर्तमान में खर्च करके उस भार को भविष्य पर डालने का अवसर मिल जाता है और जांच का सामना नहीं करना पड़ता। यह नीति परिवार के उस मुखिया जैसी है जो वर्तमान में लग्जरी कार में घूमने के लिए अपने परिवार के भविष्य को दांव पर लगा देता है। कोरोना संकट का सामना हमें वित्तीय नीति से टैक्स लगा कर करना चाहिए, नोट छाप कर अपने भविष्य को दांव पर नहीं लगाना चाहिए।

लेखक आर्थिक मामलों के जानकार हैं।

आज के ट्वीट

आरोप

नेपाल के प्रधानमंत्री पर चीन से करोड़ों रुपयों की रिश्वत लेने का आरोप लगा है, कहा जा रहा है कि ओली के जेनेवा बैंक अकाउंट में 41.34 करोड़ रुपए जमा हैं. चीन इसी तरीके से नेपाल की सरकार को भारत के खिलाफ भड़काने का काम कर रही है।

-- अर्णव गोस्वामी

ज्ञान गंगा

सच्चा भक्त

श्रीराम शर्मा आचार्य/एक राजा था जो एक आश्रम को संरक्षण दे रहा था। यह आश्रम एक जंगल में था। इसके आकार और इसमें रहने वालों की संख्या में लगातार बढ़ोतरी होती जा रही थी और इसलिए राजा उस आश्रम के लोगों के लिए भोजन और वहां यज्ञ की इमारत आदि के लिए आर्थिक सहायता दे रहा था। जो योगी इस आश्रम का सव्रेसर्वा था वह मशहूर होता गया और राजा के साथ भी उसकी अच्छी नजदीकी हो गई। ऐसे में राजा के मंत्रियों को ईर्ष्या होने लगी और वे असुरक्षित महसूस करने लगे। एक दिन उन्होंने राजा से बात की 'हे राजन, राजकोष से आप इस आश्रम के लिए इतना पैसा दे रहे हैं। आप जरा वहां जाकर देखिए तो सही। वे सब लोग अच्छे खासे, खाते-पीते नजर आते हैं। वे आध्यात्मिक लगते ही नहीं।' राजा को भी लगा कि वह अपना पैसा बर्बाद तो नहीं कर रहा है, लेकिन दूसरी ओर योगी के प्रति उसके मन में बहुत सम्मान भी था। उसने योगी को बुलवाया और उससे कहा-'मुझे आपके आश्रम के बारे में कई उल्टी-सीधी बातें सुनने को मिली हैं। ऐसा लगता है कि वहां अध्यात्म से संबंधित कोई काम नहीं हो रहा है। ऐसे में मुझे आपके आश्रम को पैसा क्यों देना चाहिए?' योगी बोला-'हे राजन, आज शाम को अंधेरा हो जाने के बाद आप मेरे साथ चलें। मैं आपको कुछ दिखाना चाहता हूं।' रात होते ही योगी राजा को आश्रम की तरफ लेकर चला। राजा ने भेष बदला हुआ था। सबसे पहले वे राज्य के मुख्यमंत्री के घर पहुंचे। दोनों चोरी-छिपे उसके शयनकक्ष के पास पहुंचे। उन्होंने एक बाल्टी पानी उस पर फेंक दिया। मंत्री चौंककर उठा और गालियां बकने लगा। फिर वे दोनों एक और ऐसे शख्स के यहां गए जो आश्रम को पैसा न देने की वकालत कर रहा था। वह राज्य का सेनापति था। दोनों ने उसके भी शयनकक्ष में झांका और एक बाल्टी पानी उस पर भी उड़ेल दिया। वह व्यक्ति और भी गंदी भाषा का प्रयोग करने लगा। इसके बाद योगी राजा को आश्रम ले कर गया। बहुत से संन्यासी सो रहे थे। उन्होंने एक संन्यासी पर पानी फेंका। वह चौंककर उठा और उसके मुंह से निकला शिव-शिव। फिर उन्होंने दूसरे संन्यासी पर इसी तरह से पानी फेंका। उसके मुंह से भी निकला हे शंभो। योगी ने राजा को समझाया 'महाराज, अंतर देखिए। ये लोग चाहे जागे हों या सोए हों, इनके मन में हमेशा भक्ति रहती है। आप खुद फर्क देख सकते हैं।' तो भक्त ऐसे होते हैं।

आज का राशिफल

मेष आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा में अपने बहुमूल्य सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। भाई या पड़ोसी का सहयोग रहेगा।

वृषभ व्यावसायिक योजना सफल होगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। त्वचा उदर या वायु विकार की संभावना है। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में सफलता मिलेगी। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

मिथुन जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। किया गया प्रयास सफल होगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। परिश्रम अधिक करना होगा।

कर्क पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। नए अनुबंध प्राप्त होंगे। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

सिंह पारिवारिक दायित्व की पूर्ति होगी। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी।

कन्या व्यावसायिक व पारिवारिक योजना सफल होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। भाई या पड़ोसी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। निजी संबंधों में प्रगाढ़ता आयेगी। अनचाही यात्रा या विवाद में फंस सकते हैं।

तुला बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। रुपए पैसे के लेन देन में सावधानी अपेक्षित है। विरोधी शारीरिक या मानसिक रूप से कष्ट देंगे। पारिवारिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। पिता या संबंधित अधिकारी से तनाव मिलेगा।

वृश्चिक पारिवारिक कार्यों में व्यस्त रहेंगे। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। मैत्री संबंध में प्रगाढ़ता आयेगी।

धनु शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। छोटी-छोटी बातों पर उत्तेजना हो सकती है। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।

मकर रोजी रोजगार की दिशा में प्रगति होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। नेत्र विकार की संभावना है। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। रोग और विरोधी बढ़ेंगे। रुपए पैसे के लेन देन में सावधानी रखें।

कुम्भ पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। चली आ रही समस्याओं का समाधान होगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। व्यावसायिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। क्रोध व भावुकता में लिया गया निर्णय कष्टकारी होगा।

मीन जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखत व लाभप्रद होगी। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

गवाहों का संरक्षण सुनिश्चित करने की जरूरत

अनूप भटनागर

माननीय बनने की ख्वाहिश में अपराध की दुनिया का सहारा लेकर राजनीति की सीढ़ियां चढ़ने का प्रयास करने वाले विकास दुबे की मुठभेड़ में मौत के बाद सवाल उठ रहे हैं कि आखिर यह व्यक्ति इतना दुर्दान्त कैसे बन गया? इस सवाल का जवाब अक्तूबर, 2001 में शिवली थाने में राज्यमंत्री का दर्जा प्राप्त संतोष शुक्ला की सरेआम गोली मार कर हत्या करने वाले विकास दुबे की अदालत से बरी होने की घटना में छुपा है। उसके खिलाफ थाने में मौजूद सिपाहियों तक ने गवाही नहीं दी थी। आज भी हमारे देश में अपराध न्याय प्रणाली में गवाहों को पूर्ण संरक्षण प्राप्त नहीं है। अक्सर देखा गया है कि फौजदारी मामलों में गवाहों और सबूतों के अभाव में अपराधी बच निकलते हैं और अगर गवाहों ने हिम्मत करके गवाही दे भी दी तो ऐसे अपराधी जमानत या पेरोल या फर्लो पर जेल से बाहर आने पर उनका जीना दूभर कर देते हैं। यही वजह है कि बलात्कार, यौन हिंसा, हत्या, हत्या के प्रयास, रंगदारी और अपहरण जैसे तमाम संगीन अपराधों के गवाहों की सुरक्षा लगातार चिंता का विषय बनी हुई है। कई सनसनीखेज मामलों में गवाहों के मुकरने या फिर उनके सामने नहीं आने से उत्पन्न स्थिति को देखते हुए 'गवाह संरक्षण कार्यक्रम' की आवश्यकता महसूस की गयी। गवाहों के संरक्षण का मामला देश की शीर्ष अदालत भी पहुंचा। शीर्ष अदालत ने गवाहों के संरक्षण के बारे में पांच दिसंबर, 2018 को अपने फैसले में केन्द्र सरकार गवाह संरक्षण योजना-2018 को मंजूरी दी थी। सरकार ने पिछले साल जुलाई में राज्यसभा को इस योजना के बारे में भी जानकारी दी थी। इस योजना के तहत गवाहों के खतरे के आंकलन के आधार पर उसे सुरक्षा प्रदान करने के उपायों का प्रावधान है। इस तरह के संरक्षण में गवाह की पहचान छुपाना, उसके ठिकाने को संरक्षित करना, ऐसे गवाहों के घर पर सुरक्षा उपकरण लगाना और ऐसे गवाहों के मामलों में विशेष रूप से बनाये गये अदालत कक्षों का इस्तेमाल शामिल है। सरकार ने इस योजना में गवाहों के खतरे के आधार पर उन्हें तीन श्रेणियों में रखा है। पहली श्रेणी में ऐसे गवाहों को शामिल किया गया है, जिनमें जांच और मुकदमे की सुनवाई के दौरान और उसके बाद भी गवाह या उनके परिवार के सदस्यों की जान को खतरा होता है। दूसरी श्रेणी में ऐसे गवाहों को शामिल किया गया है, जिनमें उनकी या उनके परिवार के सदस्यों की जांच और मुकदमे की सुनवाई या फिर इसके बाद भी सुरक्षा, प्रतिष्ठा या फिर उनकी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने का खतरा होता है। तीसरी श्रेणी में ऐसे गवाहों को रखा गया है जहां तक गवाह और उसके परिवार के सदस्यों को डराने-धमकाने या परेशान करने और उनकी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने का खतरा होता है। इस योजना के तहत गवाहों को सुरक्षा प्रदान करने पर होने वाला खर्च वहन करने के लिए राज्य सरकार या केन्द्र शासित प्रदेशों में गृह मंत्रालय या गृह विभाग द्वारा संचालित राज्य गवाह संरक्षण कोष का भी प्रावधान है। अब सवाल उठता है कि गवाह संरक्षण योजना लागू होने के बाद गवाहों को किस प्रकार का संरक्षण प्रदान किया जा रहा है? क्या यह योजना संगीन अपराधों के गवाहों में यह भरोसा पैदा कर सकी है कि अदालत में गवाही देने के बाद वे सुरक्षित हैं? कानपुर में आठ पुलिसकर्मियों के नरसंहार के बाद यह तथ्य सामने आया कि पुलिस ने ही दबिश देने वाली टुकड़ी की मुखबिरी करके विकास दुबे को सूचना दी थी। यह मुद्दा इसलिए महत्वपूर्ण हो जाता है क्योंकि अक्सर ही अपराधी सरगनाओं और माफिया द्वारा जेल से भी अपनी गतिविधियां जारी रखने की खबरें सामने आती रहती हैं। इस सिलसिले में देवरिया जेल में बंद पूर्व सांसद और गैंगस्टर अतीक अहमद का मामला बहुत ही ताजा है। उच्चतम न्यायालय ने भी अतीक अहमद और उनके सहयोगियों द्वारा एक व्यापारी का अपहरण कर जेल में उसे प्रताड़ित करने के मामले का संज्ञान लेते हुए अप्रैल, 2019 में इसकी सीबीआई जांच का आदेश ही नहीं दिया था बल्कि इस बाहुबली को गुजरात की जेल में स्थानांतरित भी कर दिया था। अगर हम चाहते हैं कि आपराधिक मामलों में गवाह निडर होकर अपनी गवाही दें तो सरकार और अदालत को उनकी सुरक्षा के साथ ही यह भी सुनिश्चित करना होगा कि आपराधिक मुकदमों की सुनवाई तेजी से पूरी हो और दोषियों को यथाशीघ्र सजा मिले। इसके अलावा यह सुनिश्चित करना भी जरूरी है कि संगीन अपराधों में सजा पाने या फिर न्यायिक हिरासत के दौरान जेलों में बंद अपराधी जेल के भीतर अपना हुक्म नहीं चला पायें। इसलिए जेल परिसर के भीतर से चलने वाली इन आपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने की भी जरूरत है।

अल्कोहल वाले हैंड सैनिटाइजर पर 18फीसदी जीएसटी लगेगा : एएआर

नई दिल्ली। अथॉरिटी फॉर एडवांस रूलिंग (एएआर) ने कहा है कि अल्कोहल आधारित सभी हैंड सैनिटाइजर पर 18 फीसदी जीएसटी लगाया जाएगा। एएआर ने अपने फैसले में कहा कि चूंकि आवेदक द्वारा निर्मित हैंड सैनिटाइजर अल्कोहल-आधारित हैंड सैनिटाइजर की श्रेणी के हैं, इसलिए 18 फीसदी जीएसटी लागू होगा। प्राधिकरण ने आगे कहा कि उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय ने आवश्यक वस्तुओं के रूप में हैंड सैनिटाइजर को वर्गीकृत किया है, जीएसटी कानून में छूट वाले सामानों की एक अलग सूची है। ईवाई टैक्स पार्टनर अभिषेक जैन ने कहा कि मौजूदा जीएसटी नियम अधिकारियों द्वारा उठाए गए दृष्टिकोण से जुड़ा हुआ है, साथ ही 18 फीसदी की दर से हैंड सैनिटाइजर पर लागू है। जैन ने कहा कि हैंड सैनिटाइजर का वर्गीकरण शुरू से ही बहस का विषय रहा है, विशेष रूप से कई प्रविष्टियां दी गई हैं। उन्होंने कहा कि महामारी के दौरान कई और कंपनियों के साथ इस उत्पाद के निर्माण में इसके महत्व को देखते हुए, सरकार को इस पहलू पर विचार करना चाहिए।

हुंडई को जुलाई की बिक्री बढ़कर पिछले साल के स्तर पर पहुंचने की उम्मीद

नयी दिल्ली। हुंडई मोटर इंडिया को उम्मीद है कि उसकी जुलाई माह की बिक्री पिछले साल के स्तर तक पहुंच जाएगी। कंपनी का कहना है कि बिक्री नेटवर्क के फिर से खुलने और विभिन्न मॉडलों की मजबूत मांग से इसमें तेजी आयेगी। विशेष रूप से हाल ही में बाजार में उतारी गई नई क्रेटा की अच्छी मांग है। कंपनी ने मंगलवार को नई एसयूवी टक्सन को पेश बाजार में उतारा है जिसकी (एक्स-शोरूम दिल्ली) कीमत 22.3- 27.03 लाख रुपये के बीच है। कंपनी ने कहा है कि वह पेट्रोल और डीजल के दाम में अंतर कम रहने जाने के बावजूद डीजल कारों की पेशकश जारी रखने के लिए प्रतिबद्ध है। हुंडई मोटर इंडिया लिमिटेड (एचएमआईएल) के निदेशक (बिक्री, विपणन और सेवा) तरुण गर्ग ने एक साक्षात्कार में पीटीआई-भाषा को बताया, ''जून में बिक्री के मामले में हम पिछले वर्ष के स्तर की तुलना में 75 प्रतिशत के स्तर तक ही पहुंच पाये और जुलाई में हम पिछले साल के स्तर के 90-100 प्रतिशत तक पहुंचने की उम्मीद कर रहे हैं। मुझे लगता है कि यह बहुत सकारात्मक संकेत है। यह भारतीय ऑटो उद्योग के प्रतिकूल परिस्थितियों को झेलने की क्षमता को दर्शाता है।'' उन्होंने कहा कि कुछ स्थानों पर लॉकडाउन के कारण बाजार में कुछ झटके देखने को मिले, लेकिन कंपनी के उत्पादों, खासकर नई क्रेटा के लिए मजबूत मांग से नकारात्मक स्थितियां पलट गई।

जून में कारों की ब्रिकी घटकर आधी हुई

नई दिल्ली। कोरोना संकट और उससे बचाव के लिए लगाए गए लॉकडाउन से बुरी तरह प्रभावित ऑटो कंपनियों के कारोबार में अब सुधार होने लगी है। जून में देश में कारों की बिक्री पिछले साल के मुकाबले करीब आधी रह गई जबकि अप्रैल और मई की तुलना में इसमें तेजी रही। वाहन विनिर्माताओं के संगठन सोसायटी ऑफ इंडियन आटोमाबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) द्वारा आज जारी आंकड़ों के मुताबिक देश में यात्री वाहनों की बिक्री जून में एक साल पहले के की तुलना में 49.59 प्रतिशत घटकर 1,05,617 इकाई रही। पिछले साल जून में 2,09,522 यात्री वाहनों की बिक्री हुई थी। सियाम के अनुसार जून में दुपहिया वाहनों की बिक्री 38.56 प्रतिशत घटकर 10,13,431 इकाई रही जो कि एक साल पहले इसी महीने में 16,49,475 रही थी। दुपहिया वाहनों में मोटरसाइकिल की बिक्री जून 2020 में 7,02,970 इकाई रही जबकि एक साल पहले इसी महीने में 10,84,596 मोटरसाइकिलें बेची गई थी। यह 35.19 प्रतिशत की गिरावट रही। स्कूटर बिक्री इस अवधि में 5,12,626 से घटकर 2,69,811 रह गई। मोटरसाइकिलें बेची गई थी। यह 35.19 प्रतिशत की गिरावट रही। स्कूटर बिक्री इस अवधि में 5,12,626 से घटकर 2,69,811 रह गई। यह गिरावट 47.37 प्रतिशत की रही। संगठन के अध्यक्ष रजन वाधवा ने संवाददाताओं से कहा कि कोरोना वायरस महामारी के कारण देशभर में लगाए गए लॉकडाउन के प्रभाव से वाहन क्षेत्र अब धीरे-धीरे बाहर निकलने का प्रयास कर रहा है। पूरे देश में आटो मोबाइल उद्योग और इससे जुड़ी गतिविधियों में करीब 3.7 करोड़ लगे हुए हैं।

टीडीसैट वोडाफोन आइडिया के 'प्रीमियम प्लान' पर 16 जुलाई को करेगा सुनवायी

नई दिल्ली।

दूरसंचार विवाद निपटान और अपीलीय न्यायाधिकरण (टीडीसैट) ने वोडाफोन आइडिया के प्रीमियम प्लानको लेकर ट्राई की ओर से जारी दिशानिर्देशों पर मंगलवार को रोक लगाने से इंकार कर दिया। टीडीसैट ने इस मामले पर अगली सुनवायी की तारीख 16 जुलाई तय की है। दूरसंचार सेवाप्रदाता वोडाफोन आइडिया ने अपने 'प्रीमियम प्लान' के तहत एक निश्चित राशि खर्च वाले ग्राहकों को तेज इंटरनेट स्पीड और बेहतर नेटवर्क देने की पेशकश की थी। इस पर दूरसंचार नियामक 'भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण' (ट्राई) ने फिलहाल रोक लगा दी। इसके विरोध में वोडाफोन आइडिया ने टीडीसैट का रुख किया। आइडिया ने टीडीसैट का रुख किया।

इस घटनाक्रम से जुड़े सूत्रों ने बताया कि टीडीसैट ने इस बारे में मंगलवार को मामले की सुनवायी करते हुए ट्राई के आदेश पर रोक लगाने से इंकार कर दिया। साथ ही अगली सुनवाई की तारीख 16 जुलाई तय की है। ट्राई को बुधवार तक अपना जवाब दाखिल करने का समय दिया गया है।

विप्रो का शुद्ध लाभ पहली तिमाही में मामूली बढ़कर 2,390 करोड़ रुपए रहा

नई दिल्ली। सूचना प्रौद्योगिकी कंपनी विप्रो का एकीकृत शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-जून तिमाही में मामूली बढ़कर 2,390.4 करोड़ रुपए रहा। इससे पूर्व वित्त वर्ष 2019-20 की इसी तिमाही में कंपनी को 2,387.6 करोड़ रुपए का एकीकृत लाभ हुआ था। कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि विप्रो की कुल आय अप्रैल-जून,2020 को समाप्त तिमाही में 15,571.4 करोड़ रुपए रही जो पिछले वित्त वर्ष 2019-20 की इसी तिमाही में 15,566.6 करोड़ रुपए थी। विप्रो की परिचालन आय 2020-21 की पहली तिमाही में 1.3 प्रतिशत बढ़कर 14,913.1 करोड़ विप्रो की परिचालन आय 2020-21 की पहली तिमाही में 1.3 प्रतिशत बढ़कर 14,913.1 करोड़ रुपए रही जो एक साल पहले इसी तिमाही में 14,716.1 करोड़ रुपए थी।

माइंडट्री का पहली तिमाही शुद्ध मुनाफा दोगुने से भी ज्यादा बढ़कर 213 करोड़ रुपये हुआ

नयी दिल्ली। प्रमुख आईटी कंपनी माइंडट्री का चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ 129.8 प्रतिशत बढ़कर 213 करोड़ रुपये हो गया। माइंडट्री ने एक नियामकीय सूचना में यह जानकारी देते हुये कहा कि कंपनी ने पिछले साल की इसी अवधि में 92.7 करोड़ रुपये का शुद्ध मुनाफा अर्जित किया था। बेंगलुरू स्थित इस कंपनी की आय समीक्षाधीन तिमाही में 4.1 प्रतिशत बढ़कर 1,908.8 करोड़ रुपये हो गई, जो पिछले साल की इसी तिमाही में 1,834.2 करोड़ रुपये थी। जून 2020 को समाप्त तिमाही में, पिछले वर्ष की इसी अवधि के मुकाबले डॉलर के संदर्भ में, कंपनी का शुद्ध मुनाफा 111.7 प्रतिशत बढ़कर 2.83 करोड़ डॉलर हो गया, जबकि राजस्व 4.1 प्रतिशत घटकर 25.32 करोड़ डॉलर रहा। नियामकीय सूचना में कहा गया है कि जून 2020 की तिमाही के अंत में, कंपनी का सक्रिय ग्राहक आधार 292 था और तिमाही के दौरान छह नए ग्राहक जोड़े गए। माइंडट्री के सीईओ एवं प्रबंध निदेशक देबाशीष चटर्जी ने कहा कि 'ग्राहक-पहले' दृष्टिकोण के साथ, भविष्य के लिये तैयार प्रतिभा के साथ साथ डिजिटल मांग में वृद्धि को देखते हुए, माइंडट्री बाजार में अपनी स्थिति को मजबूत करने और मौजूदा अप्रत्याशित समय में लाभदायक वृद्धि को जारी रखने को लेकर आश्वस्त है।

एसबीआई तैयार करेगा 'कहीं से भी काम' करने का बुनियादी ढांचा, बैंक को 1,000 रुपए की बचत की उम्मीद

नई दिल्ली।

कोविड-19 संकट से उत्पन्न हुई बाधाओं के बीच देश का सबसे बड़ा बैंक, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) अपने परिचालन में कर्मचारियों के लिए 'कहीं से भी काम' करने की सुविधा जोड़ेगा। बैंक के चेयरमैन रजनीश कुमार ने कहा कि इसके लिए बैंक बुनियादी ढांचा विकसित करेगा और इससे उसे लागत में 1,000 करोड़ रुपए की बचत होने की उम्मीद है। वह मंगलवार को बैंक की 65वीं वार्षिक आम सभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि बैंक का पूरा ध्यान लागत कम करने, कर्मचारियों की संख्या को युक्तिसंगत बनाने और उनके कौशल को फिर से सुधारने, उनकी उत्पादकता बेहतर करने और प्रशासकीय कार्यालयों से निकालकर बिक्री कार्यालयों में दोबारा तैनात करने इत्यादि पर रहेगा। कुमार ने कहा, ''सर्वश्रेष्ठ वैश्विक प्रक्रियाओं का पालन करते हुए बैंक कहीं से भी काम करने की सुविधा वाला बुनियादी ढांचा विकसित करेगा। यह कर्मचारियों को कहीं से भी काम करने की सुविधा देगा, हालांकि इसमें उनके सामाजिक जीवन और कामकाजी जीवन के बीच संतुलन का ध्यान रखा जाएगा।'' उन्होंने कहा, ''इस कदम से 1,000 करोड़ रुपए की लागत बचत होने का अनुमान है और कोविड-19 के समय में यह बैंक के कामकाज को जारी रखने में अहम भूमिका अदा करेगा।'' कुमार ने कहा कि कोविड-19 संकट अभी भी बना हुआ है, इसलिए 2020-21 किसी भी अन्य बैंक या वित्तीय संस्थान की तरह एसबीआ के लिए भी चुनौतीपूर्ण रहने वाला है। बैंक इस तरह की चुनौतियों से निपटने के लिए पहले से पूरी तरह तैयार है। उन्होंने कहा कि बैंक ने लागू की जा रही सभी परियोजनाओं की निगरानी के लिए कदम उठाए हैं। बैंक को लघु से मध्यम अवधि में कोविड-19 के प्रभाव से ऊपर आने की उम्मीद है। कुमार ने कहा, ''बैंक उभरती चिंताओं को लेकर सतर्क बना हुआ है। साथ ही हमारे ऋण ग्राहकों की मदद के लिए परिसंपत्ति गुणवत्ता बनाए रखते हुए सक्रियता से कदम उठा रहा है।'' उन्होंने शेयरधारकों को लघु और मध्यम उद्योगों (एमएसएमई) के लिए आत्मनिर्भर भारत पैकेज से पैदा हुए अवसरों के अनुरूप बैंक ने सूक्ष्म बाजारों में वित्तीय समावेशन और सूक्ष्म बाजार इकाई बनाने की जानकारी दी। यह एक लागत-प्रभावी कारोबार मॉडल के तहत किया गया है। बैंक की मोबाइल बैंकिंग एप 'एसबीआई योनो' ने भी उल्लेखनीय वृद्धि की है। कुमार ने कहा कि बैंक इसका स्तर और बढ़ाएगा। बैंक का लक्ष्य अगले छह माह में योनो के उपयोक्ताओं की संख्या दोगुना करना है।

मौजूदा समय में वाहन क्षेत्र में किसी तरह का निवेश होता नहीं दिखता : सियाम अध्यक्ष

नयी दिल्ली। वाहन विनिर्माताओं के संगठन सियाम के अध्यक्ष राजन वढेरा ने मंगलवार को कहा कि कोविड-19 संकट ने पहले से मांग में गिरावट का सामना कर रहे वाहन उद्योग की हालत और पतली की है। ऐसे में मौजूदा समय में उन्हें वाहन क्षेत्र में किसी तरह का निवेश होता नहीं दिखता है। उन्होंने कहा कि मौजूदा समय में कंपनियां किसी तरह की नयी प्रौद्योगिकी पर निवेश करने की स्थिति में नहीं है। ऐसे में ई-वाहन क्रांति को अमलीजामा पहनाने के लिए सरकार के समर्थन की जरूरत है। भारत इस मौके को छोड़ नहीं सकता है। वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से संवाददाताओं से बातचीत में वढेरा ने कहा कि लॉकडाउन में राहत के बाद कंपनियों ने धीरे-धीरे वाहनों का उत्पादन शुरू किया है। लेकिन कारखानों का परिचालन उनकी स्थापित क्षमता से बहुत कम स्तर पर हो रहा है। उन्होंने कहा, '' वर्ष 2018 के उच्चतम स्तर पर पहुंचने में अभी तीन से चार साल और लगेंगे। इसलिए (मौजूदा जरूरत पूरा करने के लिए) वाहन कंपनियों के पास पर्याप्त क्षमता मौजूद है जिसकी वजह से क्षेत्र में किसी तरह के निवेश की जरूरत नहीं है। इसके अलावा वाहन उद्योग ने की जरूरत नहीं है। इसके अलावा वाहन उद्योग ने बीएस-4 से बीएस-6 व्यवस्था पर परिवर्तन के लिए तीन वर्ष से भी कम की अवधि में भारी-भरकम निवेश किया है।''

अगले दस साल में 275 अरब डॉलर का होगा भारतीय स्वास्थ्य क्षेत्र: हर्षवर्धन

नई दिल्ली।

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ हर्षवर्धन ने आज कहा कि भारतीय स्वास्थ्य के क्षेत्र में अगले 10 साल में 275 अरब डॉलर के होने की उम्मीद है। डॉ हर्षवर्धन ने आस्ट्रेलिया के स्वास्थ्य मंत्री ग्रेगरी एंड्यू हंट के साथ मंगलवार को स्वास्थ्य क्षेत्र से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर बात की। उन्होंने हंट से कहा कि आस्ट्रेलिया की स्वास्थ्य प्रणाली विकसित देशों की अच्छी स्वास्थ्य प्रणाली में से एक है, तो भारत के स्वास्थ्य क्षेत्र के अगले 10 साल में 275 अरब डॉलर के होने की उम्मीद है। वैश्विक अर्थव्यवस्था में होने वाली किसी भी अनिश्चितता के विपरीत भारत की घरेलू मांग इस क्षेत्र के विकास को बरकरार रहेगी। शोध एवं अनुसंधान तथा मेडिकल पर्यटन के क्षेत्र में भी यहां अपार संभावनाएं हैं। उन्होंने कहा कि आयुर्वेद और योग जैसी भारत की पारंपरिक चिकित्सा पद्धति से आस्ट्रेलिया को अपने यहां मोटापे और उससे संबंधित रोगों के उपचार में मदद मिल सकती है। स्वास्थ्य मंत्री ने हंट से की गई बातचीत में कोरोना वायरस कोविड-19 के खिलाफ अग्रिम मोर्चे पर डटे स्वास्थ्यकर्मियों की सराहना करते हुए कहा कि देश के स्वास्थ्यकर्मी, पैरामेडिकल स्टाफ और वैज्ञानिक कोरोना संक्रमण की रोकथाम और प्रबंधन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। ये कोरोना वायरस की दवा खोजने और पुरानी दवाओं को बदलकर उसे कोरोना के उपचार के लायक बनाने में के उपचार के लायक बनाने में मदद कर रहे हैं। इन्होंने संक्रमण के शुरुआती दौर में ही वायरस को अलग करके जिनोम सिक्वेंस का इस्तेमाल करके उस अध्ययन कर रहे हैं। देश के दवा निर्माताओं की मदद से भारत ने 140 देशों को हाइड्रोक्सीक्लोरोक्वीन की आपूर्ति की है।

भारत और आस्ट्रेलिया ने अप्रैल 2017 में स्वास्थ्य एवं दवा के क्षेत्र में सहयोग के लिए समझौता ज्ञापन पत्र (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए थे। हंट ने जेनेरिक दवाओं की वैश्विक आपूर्ति में भारत के योगदान की प्रशंसा करते हुए कहा कि जेनेरिक दवाओं की वैश्विक आपूर्ति में भारत का योगदान 60 प्रतिशत का है। उन्होंने साथ ही कहा कि जिनोमिक्स और स्टेम सेल टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करके दुर्लभ बीमारियों के लिए नई दवाओं के शोध में भारत आस्ट्रेलिया की मदद कर सकता है।

गूगल के को-फाउंडर लैरी पेज को पीछे छोड़ दुनिया के 6वें सबसे अमीर शख्स बने मुकेश अंबानी

बिजनेस डेस्क। रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर मुकेश अंबानी अब दुनिया के छठवें सबसे अमीर शख्स बन गए हैं। गूगल के कोफाउंडर लैरी पेज को पीछे छोड़ उन्होंने यह मुकाम हासिल किया। ब्लूमबर्ग बिलेनियर्स इंडेक्स के अनुसार, मुकेश अंबानी की कुल संपत्ति अब 72.4 अरब डॉलर हो गई है। इससे पहले जून में मुकेश अंबानी ने दुनिया के शीर्ष 10 अमीर व्यक्तियों की सूची में शामिल हुए थे। तब अंबानी ने हैथवे बर्कशायर के वॉरेन बफे का स्थान लिया था, जो कि 8वें पायदान पर थे। दुनिया के शीर्ष 10 अमीरों की सूची में मुकेश अंबानी पूरे एशिया महाद्वीप से इकलौते व्यक्ति हैं। इस सूची में पहले स्थान पर अमेजन के सीईओ जेफ बेजोस है। उनकी नेटवर्थ 184 अरब डॉलर हैं। इसके बाद छह सबसे अमीर व्यक्तियों में बिल गेट्स (नेटवर्थ - 115 अरब डॉलर), बर्नार्ड अरनॉल्ट (नेटवर्थ - 94.5 अरब डॉलर), मार्क जुकरबर्ग (नेटवर्थ - 90.8 अरब डॉलर), स्टेले बालमर (नेटवर्थ - 74.6 अरब डॉलर) और मुकेश अंबानी (नेटवर्थ - 72.4 अरब डॉलर) हैं।

अमेजन इंडिया ने कौशल विकास कार्यक्रम शुरू किया

नई दिल्ली।

अमेजन इंडिया ने अपने दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु और हैदराबाद के भंडारगृहों में राष्ट्रीय प्रशिक्षुता संवर्द्धन कार्यक्रम (एनएपीएस) के तहत कौशल विकास कार्यक्रम शुरू किया है। अमेजन इंडिया ने मंगलवार को बयान में कहा कि यह पहल पायलट आधार पर 1,000 प्रशिक्षुओं के लिए शुरू की गई है। बाद में इसे और बढ़ाया जाएगा। बयान में कहा गया है, ''कंपनी का मकसद उन युवाओं को प्रशिक्षण देना है, जिनकी सीखने की यात्रा या नौकरी की पेशकश कोविड-19 महामारी की वजह से प्रभावित हुई है। प्रशिक्षुओं की पहचान राष्ट्रीय कौशल विकास परिषद (एनएसडीसी) से मान्यता प्राप्त प्रशिक्षण केंद्रों (डीडीयू-जीकेवाई केंद्र) और एनएसडीसी के कौशल डाटाबेस से की जाएगी। अमेजन इंडिया की निदेशक मानव संसाधन (कस्टमर फुलफिलमेंट) स्वाति रुस्तगी ने कहा, ''हमारे लिए कौशल सिर्फ अर्थपूर्ण ही नहीं, बल्कि टिकाऊ और दीर्घावधि के रुख वाला होना चाहिए। हम युवाओं के लिए अवसरों में निवेश करना चाहते हैं, ताकि भविष्य में उन्हें उनकी कुशलता के हिसाब से रोजगार मिल सके। शुरुआत में हम 1,000 प्रशिक्षुओं को प्रशिक्षण देंगे। बाद में इस कार्यक्रम को बढ़ाया जाएगा।'' बयान में कहा गया है कि छह माह के कार्यक्रम के तहत प्रशिक्षुओं को भंडार गृह और भंडार के प्रबंधन के बारे में प्रशिक्षण दिया जाएगा। उन्हें एनएपीएस के दिशानिर्देशों के अनुरूप मासिक वजीफा दिया जाएगा।

कोविड-19 के दौरान कृषि क्षेत्र को भारी नुकसान की आशंका

नई दिल्ली।

कोरोना वायरस 'कोविड-19 महामारी के दौरान कृषि क्षेत्र को कई प्रकार की रियायतें दिए जाने के बावजूद किसानों को भारी आर्थिक नुकसान होने की आशंका है। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) ने कोरोना संकट के दौरान कृषि क्षेत्र पर हुए उसके असर को लेकर जो प्रारंभिक अध्ययन कराए हैं उसके आंकड़े चौकाने वाले हैं। लॉकडाउन का बागवानी क्षेत्र पर गहरा असर हुआ है। परिवहन सुविधा का अभाव और बाजार बंद होना नुकसान के प्रमुख कारणों में है। केन्द्रीय खट्टे फल अनुसंधान संस्थान, नागपुर के अनुसार खट्टे फलों की खेती करने वाले किसानों को करीब 2995 करोड़ रुपए के नुकसान का अनुमान है।

राष्ट्रीय आकिर्ड अनुसंधान केन्द्र गैंगटोक के मुताबिक आकिर्ड की बिक्री में एक सौ प्रतिशत तक कि गिरावट आई।ै कि इस दौरान केला उद्योग को 200 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। राष्ट्रीय केला अनुसंधान केन्द्र तिरुचिरापल्ली का आकलन है कि इस दौरान केला उद्योग को 200 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। राष्ट्रीय केला अनुसंधान केन्द्र तिरुचिरापल्ली का आकलन है कि इस दौरान केला उद्योग को 200 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। केन्द्रीय कंद फसल अनुसंधान संस्थान तिरुवनंतपुरम के अनुसार कंद फसलों की खेती करने वाले किसानों को 38.32 लाख रुपए के नुकसान का अनुमान है। भारतीय मसाला अनुसंधान संस्थान कोझिकोड के मुताबिक मजदूरों की कमी और आवागमन में असुविधा के कारण करीब 475 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ। इन मसालों में काली मिर्च, मिर्च, अदरक, हल्दी, इलाइची, लौंग आदि शामिल हैं। राष्ट्रीय बीजीय मसाला अनुसंधान केन्द्र, अजमेर की रिपोर्ट के अनुसार पूरे कृषि क्षेत्र की तुलना में बीजीय मसाला फसलों को कम नुकसान हुआ। परिवहन सुविधा के अभाव और प्रयोगशाला जांच सुविधाओं की कमी के कारण निर्यात योग्य मसालों का मूल्य पिछले साल के मुकाबले आठ से 10 प्रतिशत कम मिला। वर्ष 2019-20 के पहले अग्रिम पूर्वानुमान के अनुसार वर्ष 2018-19 की तुलना में सब्जियों की कुल पैदावार में 2.64 प्रतिशत वृद्धि की उम्मीद है। इससे यह पता चलता है कि सब्जियों की पैदावार पर असर नहीं हुआ। पाम की खेती करने वाले किसानों पर भी लॉकडाउन का कोई असर नहीं हुआ।

वैश्विक स्तर पर नरमी के बीच मानक सूचकांक सेंसेक्स, निफ्टी 1.8 प्रतिशत से अधिक टूटे

मुंबई।

वैश्विक बाजारों में गिरावट से सहमे स्थानीय शेयर बाजारों में मंगलवार को बिकवाली का दबाव बढ गया और प्रमुख सूचकांकों में 1.8 प्रतिशत से अधिक की गिरावट दर्ज की गयी। यह करीब पांच सप्ताह में किसी एक दिन में बड़ी गिरावट है। अमेरिकी-चीन के बीच तनाव और कोविड-19 के बढ़ते मामलों के बीच वैश्विक स्तर पर गिरावट के साथ घरेलू शेयर बाजार नीचे आये। तीस शेयरों पर आधारित सेंसेक्स 660.63 अंक यानी 1.80 प्रतिशत की गिरावट के साथ 36,033.06 अंक पर बंद हुआ । इसी प्रकार, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 195.35 अंक यानी 1.81 प्रतिशत की गिरावट के साथ 10,607.35 अंक पर बंद हुआ। बैंक शेयरों में बिकवाली जारी रही। इसमें 3 प्रतिशत तक की गिरावट दर्ज की गयी। इसके अलावा धातु और वाहन कंपनियों के शेयरों में बिकवाली देखी गयी। इनमें 2.5-2.5 प्रतिशत की गिरावट आयी। एचडीएफसी और एचडीएफसी बैंक दोनों के शेयर एचडीएफसी बैंक के इस बयान के बाद उसका शेयर नीचे आ गये कि उसने वाहन कर्ज गतिविधियों की जांच शुरू की है। बैंक के एक अधिकारी के वाहन कर्ज व्यवस्था को लेकर सवाल उठाये जाने के बाद जांच के आदेश दिये गये हैं। अधिकारी इस साल 31 मार्च को सेवानिवृत्त हुए। इसके अलावा इंडसइंड बैंक, एक्सिस बैंक, मारुति, बजाज फिनसर्व, पावरग्रिड और एसबीआई में भी अच्छी-खासी गिरावट दर्ज की गयी। वहीं दूसरी तरफ टाइटन, भारती एयरटेल और बजाज ऑटो लाभ के साथ बंद हुए। एलकेपी सिक्युरिटीज के शोध प्रमुख एस रंगनाथन ने कहा, ''वित्तीय और धातु कंपनियों के शेयरों में गिरावट से प्रमुख सूचकांकों में करीब 2 प्रतिशत की गिरावट आयी। हमने प्रमुख वाहन शेयरों में मुनाफावसूली को देखा। इसका कारण पहली तिमाही के बिक्री के आंकड़े का सामने आना है।'' कारोबारियों के अनुसार अमेरिका-चीन के बीच बढ़ते तनाव और कोविड-19 संक्रमण के बढ़ते मामलों ने भी घरेलू बाजार में निवेशकों की धारणा प्रभावित की है। अमेरिका ने सोमवार को साफ तौर पर कहा कि चीन का विभिन्न क्षेत्रों को लेकर आक्रमक नजरिये का 21वीं सदी में कोई स्थान नहीं है। साथ ही दक्षिण चीन सागर क्षेत्र में साम्यवादी देश के दावे को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि क्षेत्र पर एकतरफा अपनी इच्छा थोपने को लेकर उसका कोई कानूनी आधार नहीं है। जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, ''बाजार ने वैश्विक बाजारों के साथ तालमेल को प्रदर्शित किया है। इसके अलावा संक्रमण के बढ़ते मामलों से भी बाजार में अनिश्चितता है।

यात्री वाहनों की बिक्री पहली तिमाही में 78 प्रतिशत घटी, लगातार नौवीं तिमाही गिरावट: सियाम

नयी दिल्ली।

कोरोना वायरस महामारी से प्रभावित बाजार में चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही (अप्रैल- जून 2020) में यात्री वाहनों की बिक्री 78.43 प्रतिशत घटी है। यह लगातार नौवीं तिमाही रही है जब वाहन बिक्री घटी है। वाहन उद्योग के संगठन सियाम ने मंगलवार को यह जानकारी देते हुये कहा पिछले 20 साल में उद्योग में मंदी का यह सबसे लंबा दौर है। सियाम के मुताबिक वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री में 84.81 प्रतिशत की गिरावट आई है। वाणिज्यिक वाहनों के मामले में गिरावट की यह लगातार पांचवीं तिमाही रही है। इस वर्ग में भी पिछले 15 साल में इतनी लंबी सुस्ती कभी नहीं देखी गई। वर्ष की पहली तिमाही (अप्रैल- जून 2020) में यात्री वाहनों की बिक्री 1,53,734 इकाई रही है जबकि एक साल पहले इसी तिमाही में यह 7,12,684 इकाई रही थी। इससे पहले पिछले 20 साल के दौरान यात्री वाहनों की बिक्री में गिरावट का सबसे लंबा सिलसिला पाच तिमाहियों का 2013- 14 और 2014- 15 के बीच तथा 2000- 01 से 2001- 2002 के बीच रहा था। इसी प्रकार वाणिज्यिक वाहनों के मामले में पहली तिमाही के दौरान बिक्री 31,636 इकाई रही है जो कि एक साल पहले इसी अवधिण में 2,08,310 इकाई रही थी। इससे पहले 2013- 14 से लेकर 2014- 15 के दौरान लगातार आठ तिमाहियों में बिक्री में गिरावट रही।सियाम के अध्यक्ष राजन वढ़ेरा ने वीडियो कन्फ्रेंसिंग के जरिये आयोजित संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''कोरोना वायरस के कारण वर्तमान में हम बहुत मुश्किल दौर से गुजर रहे हैं। हम पिछले साल से ही मांग की कमी का सामना कर रहे थे लेकिन इस तिमाही में कोविड- 19 के कारण कारोबार घटा है। यह वाहन उद्योग के लिये बहुत कठिन होने जा रहा है।''

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

Sports

जस्टिन थॉमस ने कहा, वुड्स दूसरों से डर रहे है

कोलंबस (ओहियो)। गोल्फ सत्र के शुरू होने के 5 सप्ताह के बाद भी दिग्गज गोल्फर टाइगर वुड्स के वापसी नहीं करने पर उनके करीबी दोस्त जस्टिन थॉमस ने चिढ़ाते हुए कहा कि वह दूसरे खिलाडियों से डर गए है। वुड्स कोरोना वायरस के कारण मार्च में सत्र निलंबित होने के बाद इस सप्ताह आयोजित होने वाले पीजीए टूर 'रिटर्न टू गोल्फ' में पहली बार भाग लेंगें। पीजीए टूर का आयोजन मुइरफिल्ड गांव में लगातार दूसरे सप्ताह होगा। इस टूर्नामेंट में विश्व नंबर एक पर काबिज रोरी मैकिलरॉय भी वापसी करेंगे। वुड्स ने हालांकि खुद वापसी की पुष्टि नहीं की लेकिन यह कयास लगाये जा रहे है वह मैदान पर उतरेंगे। थॉमस ने कहा- मुझे लगता है कि वह फिर से शुरुआत करेंगे। मैं उन से कह रहा था कि वह हम सब के खिलाफ खेलने से डर रहे है, इस लिए घर में है। मैं उन्हें मुश्किल में डालने की कोशिश कर रहा था। उन्होंने कहा- हम उनकी वापसी से रोमांचित है। वह शानदार दिख रहे है।

गांगुली ने धोनी के लिए मजबूत नींव रखी : संगकारा

मुंबई। भारत के दो दिग्गज पूर्व कप्तान सौरव गांगुली और महेंद्र सिंह धोनी के बीच बेहतर कप्तान को लेकर चर्चा जोरों पर है। पूर्व भारतीय सलामी बल्लेबाज गौतम गंभीर ने हाल ही में कहा था कि गांगुली ने कड़ी मेहनत से टीम तैयार की थी। इसी का नतीजा था कि धोनी इतनी सारी ट्रॉफियां जीतने में सफल रहे। स्टार स्पोर्ट्स के शो क्रिकेट कनेक्टेड पर गांगुली और धोनी को लेकर जारी चर्चा के बीच दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान ग्रीम स्मिथ, श्रीलंका के पूर्व कप्तान कुमार संगकारा और गंभीर ने अपनी अपनी बात कही। स्मिथ ने कहा, एक खिलाड़ी के तौर पर मेरे लिए दादा (सौरव गांगुली) और धोनी की कप्तानी के बीच का अंतर धोनी हैं। मैं सोचता हूं कि बीच के ओवरों में उनके अंदर जो मैच को अंत तक ले जाने, जीतने और आराम से फिनिश करने की क्षमता है, वो इसे अपने आस पास के सभी लोगों के अंदर लाते हैं। मैं जब उनके बारे में सोचता हूं तो इन दोनों हीरो के बीच का फर्क धोनी खुद हैं। संगकारा ने कहा, आप काफी सारी चीजों को तय कर सकते हैं, लेकिन कभी कभी आपको कुछ चीजों को पीछे छोड़ना पड़ता है। मुझे लगता है इस मामले में दादा ने काफी मेहनत की। एक शानदार टीम तैयार करने और इसे दूसरों के लिए छोड़ने में जैसे धोनी, जिनको इसका भरपूर फायदा मिला। धोनी, असाधारण खिलाड़ी, अविश्वसनीय कप्तान और फिर उन्होंने भारतीय क्रिकेट को आगे बढ़ाया है। लेकिन मेरे लिए उन सभी की नींव दादा ने रखी। गंभीर ने कहा, निश्चित रूप से, दोनों ही कप्तानों ने भारतीय क्रिकेट को आगे ले जाने का काम किया। लेकिन असर छोड़ने के लिहाज से देखूं तो मैं सिर्फ धोनी के बारे में बात करूंगा क्योंकि वह भारतीय क्रिकेट को आगे ले जाने के लिए काफी ज्यादा गंभीर रहे। गंभीर ने इससे पहले कहा था कि धोनी बहुत भाग्यशाली कप्तान रहे हैं क्योंकि उन्हें हर प्रारूप में एक अद्भुत टीम मिली थी। उन्होंने कहा था, धोनी बहुत भाग्यशाली कप्तान रहे हैं क्योंकि उन्हें हर प्रारुप में एक अद्भुत टीम मिली थी। 2011 का विश्व कप टीम धोनी के लिए बहुत आसान था क्योंकि हमारे पास सचिन, सहवाग, खुद मैं, युवराज, यूसुफ और विराट जैसे खिलाड़ी थे। इसलिए उन्हें सर्वश्रेष्ठ टीम मिली थी जबकि गांगुली को इसके लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ी थी और जिसके कारण धोनी ने इतने सारी ट्राफियां जीतीं।

कोच सिल्वरवुड ने दूसरे टेस्ट से पहले बटलर का समर्थन किया

मैनचेस्टर।

इंग्लैंड क्रिकेट टीम के मुख्य कोच क्रिस सिल्वरवुड ने यहां ओल्ड ट्रैफर्ड में गुरुवार से वेस्टइंडीज के खिलाफ होने वाले दूसरे टेस्ट मैच से पहले विकेटकीपर बल्लेबाज जोस बटलर का समर्थन किया है। इंग्लैंड की टीम को साउथैम्पटन में खेले गए पहले टेस्ट मैच में विंडीज के हाथों चार विकेट से हार का सामना करना पड़ा था। इस हार के बाद इंग्लैंड की टीम तीन मैचों की टेस्ट सीरीज में 0-1 से पीछे हो गई है। बटलर पहले टेस्ट में बल्ले से ज्यादा कमाल नहीं कर पाए थे और दोनों पारियों में वह क्रमश = 35 और नौ रन ही बना पाए थे। डेली मेल ने सिल्वरवुड के हवाले से कहा, मैच से पहले अभ्यास के दौरान जोस शानदार प्रदर्शन कर रहे थे। वह पहली पारी में भी लय में दिख रहे थे। उन्हें क्रीज पर समय बिताने और बड़ा स्कोर बनाने की जरूरत है जिसे वह खुद भी जानते हैं। उन्होंने कहा, हम अपनी ओर से यह सुनिश्चित करने की कोशिश कर रहे हैं कि वह आत्मविश्वास से भरे हो। हम उन्हें सफल होने के लिए सर्वश्रेष्ठ मौका देंगे। बाकी इस बात पर निर्भर करता है कि उनके लिए दिन कैसा है, अगर वह कुछ रन बना लेंगे तो बाकी बातों का कोई मतलब नहीं रहेगा। टीम के दूसरे विकेटकीपर बेन फॉक्स को मौका दिए जाने के बारे में कोच ने कहा, मैं आलोचना कर के जोस पर और ज्यादा दबाव नहीं बनाना चाहता क्योंकि मुझे नहीं लगता इससे उन्हें ज्यादा फायदा होगा। ऐसे में हम उन्हें सफल होने के लिए सर्वश्रेष्ठ मौका देना चाहते हैं।

कोविड-19 के कारण शिकागो मैराथन रद्द

न्यूयॉर्क। कोरोना वायरस महामारी के कारण शिकागो मैराथन रद्द कर दी गई है। मैराथन का आयोजन इस साल 11 अक्टूबर को होनी थी। आयोजकों ने एक बयान में कहा, कोविड-19 महामारी के कारण 11 अक्टूबर को होने वाली शिकागो मैराथन को धावकों, दर्शकों और स्वयंसेवकों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए रद्द कर दी गई है। 2020 मैराथन और इंटरनेशनल शिकागो 5के के पंजीकृत प्रतिभागियों के पास अपनी प्रवेश के लिए धन राशि वापस प्राप्त करने या भविष्य की दौड़ (2021, 2022 या 2023) के लिए अपनी जगह और प्रवेश शुल्क को अदा करने का विकल्प होगा। इससे पहले, एक नवंबर को होने वाली न्यूयार्क सिटी मैराथन को भी जून में रद्द कर दिया गया था। अब इसका आयोजन अगले साल सात नवंबर को होगा।

फीडे महिला स्पीड शतरंज ग्रां प्री की विजेता बनीं रूस की लागनों काटेरयना

मॉस्को ,रूस (निकलेश जैन) फीडे महिला स्पीड शतरंज ग्रां प्री के तीसरे चरण का खिताब रूस की लागनों काटेरयना नें विश्व नंबर 1 चीन की हाउ ईफ़ान को एक बेहद ही रोमांचक मुक़ाबले मे भाग्य का साथ लेकर जीत दर्ज करते हुए खिताब अपने नाम कर लिया । दोनों के बीच काटे का संघर्ष देखने को मिला । सबसे पहले दोनों के बीच 5+1 मिनट के तीन मुक़ाबले खेले गए जिसमें लागनों नें 3-0 से बढ़त हासिल करते हुए शानदार शुरुआत की । इसके बाद हुए चार 3+1 के मुक़ाबले ड्रॉ रहे और स्कोर 5-2 से साफ तौर पर लागनों के पक्ष मे था पर इसके बाद शुरू हुआ असली खेल जब 1+1 के तीन बुलेट मुकाबलों मे लगातार जीत दर्ज करते हुए हाउ ईफ़ान नें अविश्वसनीय वापसी की और स्कोर 5-5 कर दिया अब परिणाम निकालने के लिए दो टाईब्रेक खेले गए और उसमें भी पहला मुक़ाबला ड्रॉ रहा और और स्कोर 5.5-5.5 हो गया । अंतिम मुक़ाबले मे हाउ ईफ़ान नें बेहद मजबूत स्थिति हासिल कर ली और साफ जीत की तरफ बढ़ रही थी तभी उनसे एक भारी गलती हुई जो शायद कंप्यूटर पर गलत क्लिक की वजह से हुई और लागनों नें उनका हाथी मारते हुए खिताब जीत लिया । इस जीत से लागनों को कुल 12 ग्रां प्री अंक मिले और अब वह रूस की गुनिना वालेटीना के साथ 20 अंक बनाकर दूसरे स्थान पर है जबकि पहले स्थान पर 22 अंको के साथ उक्रेन की अन्ना उशेनिना है । आपको बता दे की इसके बाद एक और ग्रां प्री होगी और उसके बाद सबसे ज्यादा अंक वाले दो खिलाड़ी सुपर फ़ाइनल खेलेंगे ।

संक्षिप्त समाचार

टोरिनो को हराकर दूसरे स्थान पर पहुंचा इंटर मिलान

रोम। इटालियन क्लब एसी मिलान ने सेरी-ए लीग में अपना अजेयक्रम जारी रखते हुए टोरिनो को 3-1 से हराकर लीग में दूसरा स्थान हासिल कर लिया। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, टोरिनो के लिए आंद्रिया बेलोटी ने 17वें मिनट में गोलकीपर समीर हैंडानोविच की गलती का फायदा उठाकर गोल दाग दिया और टोरिनो ने इस बढ़त को हाफ टाइम तक कायम रखा। हाफ टाइम के बाद एश्ले यंग ने 48वें मिनट में गोल करके इंटर मिलान को बराबरी पर ला दिया और फिर डिएगो गोडिन ने 51वें मिनट में गोल करके मिलान को आगे कर दिया। इसके बाद लौटरो मार्टिनेज ने 61वें मिनट में मिलान का तीसरा गोल करके उसके टोरिनो पर 3-1 की जीत दिला दी। इस जीत से इंटर मिलान की टीम अंकतालिका में दूसरे स्थान पर पहुंच गई है और उसके 68 अंक हो गए हैं। लाजियो के भी 68 अंक हैं लेकिन वह गोल अंतर में मिलान से पीछे है।

मेसी को 2025 तक खेलता देख रहा हूं : गार्सिया

कोलकाता। स्पेन के अग्रणी क्लब एफसी बार्सिलोना के पूर्व मिडफील्डर लुइस गार्सिया मानते हैं कि क्लब के सुपरस्टार फारवर्ड लियोनेस मेसी आसानी से 2025 तक क्लब को अपनी सेवाएं दे सकते हैं। 33 साल के मेसी इस सीजन के अंत तक के लिए बार्सिलोना के साथ करारबद्ध हैं। क्लब के साथ करार में विस्तार संबंधी बातचीत जारी है। ऐसी अटकले हैं कि छह बार के बालोन डी ओर विजेता मेसी क्लब के साथ नाराज हैं। ला लीगा द्वारा आयोजित वीडियो कांफ्रेंस में गार्सिया ने कहा, मेसी जिस तरह से खेल रहे हैं, उसे देखते हुए मैं आसानी से कह सकता हूं कि वह 2025 तक खेलना जारी रखेंगे। गार्सिया बार्सिलोना के लिए अंतिम बार 2003-04 सीजन में खेले थे।

बीसीसीआई को गुप्ता के मेल की जांच करनी चाहिए : आदित्य वर्मा

नई दिल्ली।

मध्य प्रदेश क्रिकेट संघ (एमपीसीए) के आजीवन सदस्य संजीव गुप्ता को कई क्रिकेटरों के खिलाफ हितों के टकराव का मामला उठाने के लिए जाना जाता है। उन्होंने शुक्रवार को ज्योतिरादित्य सिंधिया और संजय जगदाले को एक मेल भेजा था। गुप्ता ने स्वीकार किया है कि उन्हें कई लोगों ने ड्राफ्ट मेल के लिए कहा था। अब आईपीएल के याचिकाकर्ता आदित्य वर्मा का मानना है कि बीसीसीआई को तुरंत इस मामले की जांच करनी चाहिए। वर्मा ने आईएएनएस से बात करते हुए कहा कि यह न केवल एमपीसीए में गुप्ता के मेल को लेकर है बल्कि उन मेल के बारे में भी जोकि गुप्ता ने मौजूदा और पूर्व क्रिकेटरों को लेकर किया है। वर्मा ने कहा, यह (मेल) संजीव गुप्ता द्वारा निश्चित रूप से स्वीकार किया गया है कि वह अपने एसोसिएशन में व्यक्तियों के खिलाफ तुच्छ मुद्दों को उठाने का काम कर रहा है और वही चीजें जो उन्हें बीसीसीआई में भी करनी चाहिए। उन्होंने कहा, यह न्याय के प्रशासन के साथ हस्तक्षेप है और यह न केवल बीसीसीआई और राज्य संघों के काम को बाधित कर रहा है, बल्कि सुप्रीम कोर्ट के आदेशों की ईमानदारी से लागू करने के साथ भी खेल रहा है, जिससे असंतुष्ट लोग उक्त आदेशों का दुरुपयोग कर रहे हैं और इस तरह के दुरुपयोग के लिए संजीव गुप्ता उनके हथियार बन गए है। वर्मा ने कहा, अदालत को इस गंभीर मामले की जांच का आदेश देना चाहिए। मैं सौरव गांगुली और जय शाह से भी अनुरोध करता हूं कि वे इसकी जांच के लिए तुरंत एक पैनल का गठन करें और देखें कि इसके पीछे कौन है। ऐसे व्यक्तियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करें जो बीसीसीआई, इसके पदाधिकारियों, क्रिकेटरों और अन्य राज्य संघों को दागदार करने में लोगों की मदद कर रहे हैं। भारतीय क्रिकेट सर्वोपरि है और किसी का व्यक्तिगत एजेंडा क्रिकेट से बड़ा नहीं हो सकता। वर्मा ने आगे कहा कि गुप्ता ने पहले भी गांगुली, सचिन तेंदुलकर और राहुल द्रविड़ जैसे अन्य लोगों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी, तो क्या वे भी किसी और के इशारे पर थे? उन्होंने कहा, इससे पहले, गुप्ता ने तेंदुलकर, लक्ष्मण, द्रविड़ और अन्य दिग्गज खिलाड़ियों के खिलाफ शिकायतें दर्ज की थी। अब एक सवाल पूछने की जरूरत है कि क्या वे शिकायतें किसी और के इशारे पर दायर की गई थीं? क्या गुप्ता का नाम केवल एक मोहरा था और इसके पीछे कोई और था? यह जानना दिलचस्प होगा कि सभी ने आज तक अपनी सेवाओं का इस्तेमाल किसके लिए किया है। वर्मा ने कहा, मैं एक बार फिर से एमपीसीए के अधिकारियों से गुप्ता के खिलाफ कार्रवाई करने की अपील करता हूं क्योंकि एमपीसीए, बीसीसीआई की एक संबद्ध इकाई है, और अगर गुप्ता का आजीवन सदस्य बीसीसीआई के हितों के खिलाफ काम कर रहा है, तो उन्हें तुरंत निष्कासित कर दिया जाना चाहिए।

भारतीय टीम ने अभी तक पंत की बल्लेबाजी क्रम तय नहीं की : कैफ

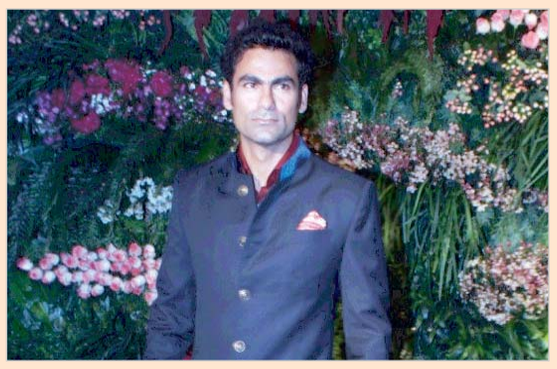

नई दिल्ली। पूर्व भारतीय क्रिकेटर मोहम्मद कैफ ने खुलासा किया है कि क्यों विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत आईपीएल में दिल्ली कैपिटल्स के लिए आक्रामक बल्लेबाजी करते हैं और इसी आक्रमकता को वह अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भारतीय टीम के लिए जारी नहीं रख पाते हैं। दिल्ली आईपीएल में दिल्ली कैपिटल्स के सहायक कोच हैं और उन्होंने करीबी से पंत की बल्लेबाजी देखी है। कैफ का मानना है कि भारतीय टीम अभी भी पंत के लिए बल्लेबाजी क्रम तय करने में विफल रही है, इसलिए पंत आईपीएल के प्रदर्शन को भारतीय टीम के लिए नहीं दोहरा पाते हैं। कैफ ने क्रिकेट कमेंटेटर आकाश चोपड़ा के यूट्यूब चैनल आकाशवाणी; पर कहा, ऋषभ पंत एक आजाद खिलाड़ी हैं। आपको उनकी बल्लेबाजी क्रम तय करनी चाहिए। उन्हें पता होना चाहिए कि उन्हें डिफेंस करना है या आक्रामक खेलना है। वह आक्रामक बल्लेबाज हैं और पहली गेंद से आक्रमण कर सकते हैं। उन्होंने कहा, दिल्ली कैपिटल्स में मेरी, दादा और रिकी पोंटिंग की ऋषभ पंत के बारे में कई बार बात हुई कि उन्हें शुरूआत में बल्लेबाजी करनी चाहिए। बाद में हमने तय किया कि उन्हें खेलने के लिए कम से कम 10 ओवर खेलनी चाहिए। यह बात अभी तक भारतीय टीम ने तय नहीं की है। कैफ ने आगे कहा, भारतीय टीम अभी तक उनकी बल्लेबाजी क्रम तय नहीं कर पाई है, लेकिन आईपीएल में हमने उनकी बल्लेबाजी क्रम तय की हुई है। यही वजह है कि वह आईपीएल में अच्छा प्रदर्शन करते हैं।

पहले टेस्ट में ब्रॉड को न देखकर हैरान था : होल्डर

साउथैम्पटन। इंग्लैंड पर शानदार जीत दर्ज करने वाली कैरेबियाई क्रिकेट टीम के कप्तान जेसन होल्डर ने कहा है कि वह इस बात को लेकर काफी हैरान थे कि आखिरकार पहले टेस्ट के लिए स्टुअर्ट ब्रॉड को मौका क्यों नहीं दिया गया। कैरेबियाई टीम ने तीन मैचों की सीरीज के पहले मुकाबले में चार विकेट से जीत हासिल कर 1-0 की लीड ले ली है। होल्डर ने समाचार पत्र डेली मेल में प्रकाशित अपने कॉलम में लिखा है, इंग्लैंड ने ब्रॉड को नहीं चुना तो मैं हैरान था। उनका रिकार्ड, खासतौर पर टेस्ट में शानदार है और इसे देखते हुए मैं यही सोच रहा था कि इंग्लिश टीम जोफा आर्चर या फिर मार्क वुड में किसी एक को बाहर रखेगी। सीरीज का दूसरा और तीसरा टेस्ट क्रमशः 16 तथा 24 जुलाई से खेले जाएंगे।

खुशी है कि मैदान पर आउटडोर अभ्यास शुरू हो गया है : मिडफील्डर सुमित

सोनीपत (हरियाणा)।

भारतीय पुरुष हॉकी टीम के मिडफील्डर सुमित ने कहा है कि राष्ट्रीय शिविर से उन्हें खुद को तरोताजा रखने में मदद मिली है और अब वह जल्द ही अपने टीम साथियों से जुड़ने को लेकर उत्साहित हैं। कोविड-19 लॉकडाउन के दौरान पुरुष और महिला हॉकी की टीमों को बेंगलुरु स्थित भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) सेंटर में रुकना पड़ा था। उन्हें पिछले महीने घर जाने की अनुमति दी गई थी। सुमित ने अपने घर के पास मैदान में अभ्यास शुरू कर दिया है। उन्होंने कहा, मेरे लिए ये कुछ सप्ताह तरोताजा करने वाले रहे है। इतने लंबे समय के बाद अपने परिवार के साथ समय बिताना अच्छा रहा। जब मैं यहां पहुंचा, तो मेरी मां के चेहरे पर जो खुशी थी, वह अनमोल थी। मुझे वास्तव में खुशी है कि मैंने अपने कुछ दोस्तों के साथ मैदान पर आउटडोर अभ्यास शुरू कर दिया है। सुमित ने कहा, मैदान पर भी सावधानी बरतते हुए कुछ अभ्यास और कौशल प्रशिक्षण कर के अच्छा लग रहा है। मैं अगले राष्ट्रीय शिविर के लिए खुद को फिट रखने की कोशिश कर रहा हूं। इसलिए मैं अपनी सोसाइटी में दौड़ और कसरत के साथ फिटनेस अभ्यास कर रहा हूं। सुमित ने 2017 में सुल्तान अजलन शान कप से राष्ट्रीय टीम के लिए पदार्पण किया था।

इससे पहले वह 2016 में जूनियर विश्व कप जीतने वाली भारतीय टीम में शामिल थे। भारतीय मिडफील्डर ने कहा, मैं खुद को भाग्यशाली मानता हूं कि मुझे राष्ट्रीय टीम का प्रतिनिधित् करने का मौका मिला। मैं एक ऐसा खिलाड़ी हूं जो वास्तव में स्वभाव से महत्वाकांक्षी है, और 2016 में जूनियर विश्व कप जीता है। उन्होंने कहा, मैं हमेशा सीनियर टीम के साथ बड़े टूर्नामेंट जीतने का लक्ष्य रखना चाहता हूं। आने वाले कुछ वर्ष हमारे लिए वास्तव में महत्वपूर्ण हैं। मैं यह सुनिश्चित करना चाहता हूं कि मैं शानदार लय में रहूं और टीम की मदद कर सकता हूं।

छत्रसाल स्टेडियम में ट्रेनिंग पर लौटे दीपक, दहिया

नई दिल्ली। टोक्यो ओलंपिक का टिकट कटा चुके युवा पहलवान दीपक पुनिया, रवि दहिया और कॉमनवेल्थ गेम्स के स्वर्ण पदक विजेता सुमित मलिक सहित कई पहलवानों ने राष्ट्रीय राजधानी के छत्रसाल स्टेडियम में अपनी ट्रेनिंग शुरू कर दी है। उनके कोच और दिग्गज पहलवान सतपाल सिंह ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट किया है, जिसमें दोनों पहलवान सहित करीब 30 पहलवान ट्रेनिंग पर लौट आए हैं। सतपाल ने कहा कि रवि और दीपक के अलावा सुमित ने भी अपनी ट्रेनिंग शुरू कर दी है। सतपाल ने ट्विटर पर एक वीडियो पोस्ट किया है, जिसमें वह पहलवानों के साथ काम करते हुए दिखाई दिए जा सकते हैं। सतपाल ने कहा, छत्रसाल स्टेडियम में ओलंपिक क्वालीफायर्स दीपक पुनिया, रवि कुमार और सुमित मलिक सहित करीब 30 पहलवानों के साथ ट्रेनिंग शुरू किया। इस दौरान सभी आवश्यक सावधानी और सुरक्षा उपायों का ध्यान रखा गया। दहिया (57 किग्रा) और दीपक (86 किग्रा) ने 2019 की कुश्ती विश्व चैंपियनशिप में अपने प्रदर्शन के साथ टोक्यो ओलंपिक के लिए क्वालीफाई किया था। दहिया ने कजाकिस्तान के नूर-सुल्तान में 57 किग्रा वर्ग में कांस्य जीता था जबकि दीपक ने टूर्नामेंट में रजत पदक जीता था।

चीन-ईरान की दोस्ती भारत पर पड़ी भारी, चाबहार रेल परियोजना से हुआ बाहर

नेशनल डेस्क (एजेंसी)।

भारत को घेरने के लिए चीन कई पैंतरे अपना रहा है। नेपाल के बाद अब वह ईरान को भी भारत के खिलाफ इस्तेमाल करने की कोशिश कर रहा है, इसी का नतीजा है कि ईरान ने चाबहार रेल परियोजना से भारत को बाहर कर दिया है। हालांकि इसकी वजह भारत की ओर से फंड मिलने में देरी बताई है। ईरान और भारत के बीच चार साल पहले चाबहार से अफ़ग़ानिस्तान सीमा पर ज़ाहेदान तक रेल लाइन बिछाने को लेकर समझौता हुआ था। द हिंदू की रिपोर्ट के मुताबिक ईरान ने अब कहा कि भारत की ओर से प्रोजेक्ट को फंड मिलने में देरी हुई है जिसकी वजह से वह स्वयं काम शुरू कर रहा है। 628 किलोमीटर लंबे इस रेल मार्ग को बिछाने का काम बीते सप्ताह शुरू हो गया है यह परियोजना अफगानिस्तान और मध्यय एशिया तक एक वैकल्पिक व्यापार मार्ग मुहैया कराए जाने की प्रतिबद्धता के तहत थी, जिसके लिए ईरान, भारत और अफगानिस्तान के बीच 2016 में त्रिपक्षीय समझौता भी हुआ था। ईरान ने इसके लिए नेशनल डेवेलपमेंट फंड की 40 करोड़ डॉलर की धनराशि का इस्सतेमाल करने की बात कही थी। हाल ही में चीन और ईरान के बीच चार सौ अरब डॉलर के रणनीतिक निवेश को लेकर समझौता हुआ है, ऐसे में माना जा रहा है कि चीन के इशारे पर ही ईरान यह कदम उठाया है। वहीं इस मुद्दे को लेकर देश की राजनीति भी गरमा गई है। कांग्रेस नेता अभिषेक मनु सिंघवी ने ट्वीट कर कहा कि भारत को चाबहार पोर्ट डील से हटा दिया गया। यह मोदी सरकार की कूटनीति है, जिसने काम नहीं होने पर भी वाहवाही लूटी। लेकिन चीन ने चुपचाप काम किया और उन्हें बेहतर डील दिया। भारत के लिए बड़ा नुकसान। लेकिन आप सवाल नहीं पूछ सकते!

ट्रंप के वायरस के खतरे को कमतर आंकने के बाद व्हाइट हाउस के निशाने पर फाउची

वाशिंगटन (एजेंसी)।

अमेरिका में कोरोना वायरस संक्रमण और मौत के बढ़ते मामलों के बाद व्हाइट हाउस अपने सबसे भरोसेमंद कोरोना वायरस विशेषज्ञ को अलग-थलग करने की दिशा में काम कर रहा है। नवंबर में होने वाले राष्ट्रपति चुनाव से पहले अर्थव्यवस्था को गति देने की राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की कोशिशों के बीच उनका प्रशासन इस खतरे को कम आंक रहा है। अमेरिका को लेकर दुनिया भर में चिंता बढ़ गई हैं जहां कुछ वक्त पहले तक कम हो रहे वायरस के मामले अचानक फिर से बढ़ने लगे हैं। हालांकि, ट्रंप का कहना है कि 1,35,000 अमेरिकियों की जान लेने वाली वैश्विक महामारी की गंभीरता को आलोचक बढ़ा-चढ़ा कर बता रहे हैं ताकि उनके पुनर्निर्वाचन की संभावना को प्रभावित किया जा सके। ट्रंप ने टीवी कार्यक्रम लव कनेक्शन के प्रस्तुतकर्ता रहे चक वुलरी के एक पोस्ट को रिट्वीट किया जिसमें दावा किया गया कि, हर कोई कोविड-19 के बारे में झूठ बोल रहा है। वुलरी के ट्वीट में न सिर्फ मीडिया पर हमला बोला गया बल्कि रोग नियंत्रण एवं बचाव केंद्र (सीडीसी) और डॉक्टरों को भी निशाना बनाया गया जिनपर ''हमें विश्वास करने के लिए कहा जाता है। वुलरी ने कहा, मेरे विचार में यह सबकुछ चुनाव के बारे में है और अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने से रोकने के लिए है। ठीक इसी वक्त, राष्ट्रपति और व्हाइट हाउस के शीर्ष सहयोगियों ने देश के शीर्ष संक्रामक रोग विशेषज्ञ, डॉ एंथनी फाउची के खिलाफ हमले बढ़ा दिए हैं। वायरस के खिलाफ चेतावनी दिए जाने के कारण फाउची को व्हाइट हाउस लगातार दरकिनार कर रहा है। अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने के लिए जारी प्रयासों के बीच यह बेहद अप्रिय संदेश है जो ट्रंप को नागवार गुजर रहा है। पिछले हफ्ते फाउची ने वायरस की गंभीरता को लेकर ट्रंप की टिप्पणी का विरोध किया था। जहां ट्रंप लगातार कह रहे हैं कि उन्होंने वैश्विक महामारी के खिलाफ बहुत अच्छा काम किया है ।

पाकिस्तान की नेशनल असेंबली ने जम्मू कश्मीर पर पारित किया प्रस्ताव

इस्लामाबाद ।

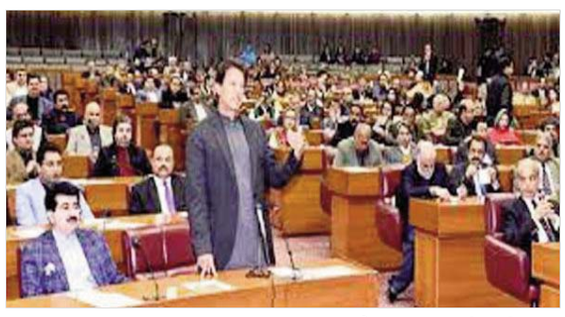

जम्मू कश्मीर में मानवाधिकारों के उल्लंघन का आरोप लगाते हुए पाकिस्तान की नेशनल असेंबली ने सोमवार को इसके खिलाफ एकमत से प्रस्ताव पारित किया। प्रस्ताव संसदीय मामलों के राज्यमंत्री अली मुहम्मद खान द्वारा लाया गया था। प्रस्ताव में कश्मीरियों को राजनयिक और राजनीतिक समर्थन देने की बात कही गई है। भारत ने पाकिस्तान से कहा है कि जम्मू कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश भारत का अभिन्न अंग है और इससे संबंधित मसले भारत का अंदरूनी मामला हैं। नेशनल असेंबली में संयुक्त राष्ट्र और अंतरराष्ट्रीय समुदाय से अनुरोध किया गया कि वे कश्मीर मसले पर दखल दें। प्रधानमंत्री इमरान खान ने भी कश्मीर के लोगों के साथ एकजुटता दिखाने के लिए ट्विटर का सहारा लिया। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने भी अलग से वक्तव्य जारी कर कहा कि पाकिस्तान कश्मीरी लोगों को समर्थन देता रहेगा।

चीन के विरोध में जब पाकिस्तानियों ने गाया वंदे मातरम्, लगाए मुर्दाबाद के नारे

नेशनल डेस्क (एजेंसी)।

पाकिस्तानी भारत का राष्ट्रीय गीत गाए ऐसा होना काफी दुर्लभ है लेकिन रविवार को ऐसा होते देखा गया। दरअसल लंदन में कुछ पाकिस्तानी भारतीयों के साथ चीनी दूतावास के बाहर एक विरोध प्रदर्शन में शामिल हुए। इस दौरान पाकिस्तानियों ने भारत का राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् भी गाया। पाकिस्तानी मानवाधिकार कार्यकर्ता आरिफ आजकिया भी शामिल हुए। उन्होंने भी भारतीयों के साथ मिलकर बॉयकॉट चीन और चीन मुर्दाबाद के नारे लगाए। इस दौरान आजकिया ने कहा कि जीवन में पहली बार मैंने वंदे मातरम गया है। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर के मीरपुर से ताल्लुक रखने वाले अमजद अयूब मिर्जा भी इस विरोध प्रदर्शन में शामिल हुए। अयूब मिर्जा ने कहा कि मैं पीओके से हूं, पाकिस्तानी कब्जे में रहने वाला एक भारतीय हूं। मिर्जा ने कहा कि चीनी ष्टक्कश्वष्ट (चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा) के जरिए गिलगित-बाल्टिस्तान में कहर बरपा रहे हैं और पाकिस्तानी सरकार भी इसमें मिली हुई है। प्रदर्शन में शामिल कुछ लोग कराची के थे और ईरान के भी कई लोग इस प्रदर्शन में शामिल हुए। ये सभी चीन द्वारा उनके मामलों में दखल देने से परेशान हैं।

संक्षिप्त समाचार

अफगानिस्तान की मस्जिद में आतंकवादी हमला, 4 की मौत व तीन घायल

इंटरनेशनल डेस्क। अफगानिस्तान के फरयाब प्रांत की एक मस्जिद पर आतंकवादियों के हमले में चार लोगों की मौत हो गई और तीन अन्य घायल हो गये। प्रांत के पुलिस प्रवक्ता अब्दुल करीम युराश ने मंगलवार को यह जानकारी दी। श्री युराश ने कहा,'' तालिबान समूह से जुड़े आतंकवादियों ने शामवार शाम फरयाब प्रांत की राजधानी मैमाना के एक मस्जिद पर गोलीबारी की जिसमें चार लोगों की मौत हो गई और तीन अन्य घायल हो गये। प्रवक्ता ने बताया कि हमले के बाद आतंकवादी कार में बैठकर फरार हो गये लेकिन कुछ समय बाद पुलिस ने उन्हें रोक लिया। पुलिस की कार्रवाई में दो आतंकवादी मारे गये जिनमें कारी नकीब नाम का हमलावर प्रांत में तालिबान की जासूसी एजेंसी का सदस्य था। तालिबान ने अभी तक घटना पर प्रतिक्रिया नहीं दी है।

पाकिस्तान में कोरोना वायरस के मामले 2,53,604 हुए

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में कोविड-19 के 1,979 नए मामले सामने आने के बाद देश में संक्रमण के मामले बढ़कर 2,53,604 हो गए। राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा मंत्रालय के अनुसार देश में 1,70,656 लोग ठीक हो चुके हैं। मंत्रालय के अनुसार पिछले 24 घंटे में कोविड-19 से 50 और लोगों की जान जाने से वायरस से मरने वालों की संख्या 5,320 हो गई। वहीं, अभी 2,151 लोगों की हालत गंभीर है। आंकड़ों के अनुसार, 26 मई को 1,446 नए मामले सामने आने के बाद एक दिन में सामने आए ये सबसे कम मामले हैं। आंकड़ों के अनुसार सिंध में सबसे अधिक 1,06,622 मामले हैं। इसके बाद पंजाब में 87,492, खैबर-पख्तूनख्वा में 30,747, इस्लामाबाद में 14,202, बलूचिस्तान में 11,192, गिलगित-बालस्तिान में 1,694 और पीओके में 1,655 मामले हैं। देश में अभी तक 16,06,190 नमूनों की जांच की गई है, जिनमें से पिछले 24 घंटे में 21,020 नमूनों की जांच की गई।

मेरिकी रक्षा मंत्री ने रूस-चीन के साथ सुरक्षा चिंताओं को लेकर नार्वे से की चर्चा

वाशिंगटन। अमेरिका के रक्षा मंत्री मार्क एस्पर और नार्वे के रक्षा मंत्री फ्रैंक बाक्के-जेनसेन ने टेलीफोन पर हाई नार्थ क्षेत्र सहित रूस और चीन से संबंधित सुरक्षा चिंताओं को लेकर चर्चा की। रक्षा विभाग ने सोमवार यहां जारी विज्ञप्ति में कहा, ''दोनों नेताओं ने रूस, चीन और हाई नार्थ की स्थिति सहित आपसी सुरक्षा चिंताओं पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि इसके अलावा एस्पर और बाक्के-जेनसेन ने नाटो की जिम्मेदारी साझा करने को लेकर चर्चा हुई। दोनों नेताओं ने द्वीपक्षीय संबंधों को मजबूत करने को लेकर भी बातचीत की।

पाक की खैबर पख्तूनख्वा असेम्बली में हिंदू विरोधी टिप्पणियों के खिलाफ उठी आवाज

पेशावर। खैबर पख्तूनख्वा में सत्तारूढ़ पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के एक हिंदू निर्वाचित प्रतिनिधि ने इस्लामाबाद में पहले मंदिर के निर्माण के मुद्दे पर सोशल मीडिया में हिंदू देवी-देवताओं के खिलाफ कथित अपमानजनक टिप्पणियों की निंदा करते हुए प्रांतीय असेम्बली सचिवालय को सोमवार को एक प्रस्ताव सौंपा। एमपीए रवि कुमार द्वारा सौपें गये इस प्रस्ताव में कहा गया है कि सोशल मीडिया पर पिछले कुछ दिनों से हिंदू देवी-देवाताओं के खिलाफ अपमानजनक बातें कहीं जा रही हैं जो 'निंदनीय और अक्षम्य कृत्य' है। इस प्रस्ताव पर अल्पसंख्यक निर्वाचित प्रतिनिधियों-- सरदार रणजीत सिंह, विल्सन वजीर, वजीरजादा और पाकिस्तन पीपुल्स पार्टी के नेता नाइट यास्मीन औरकजई के दस्तखत हैं। उसमें कहा गया है, '' हिंदू धर्म के विरूद्ध इस नकारात्मक दुष्प्रचार ने न केवल पाकिस्तान में बल्कि दुनियाभर में हिंदुओं की भावनाओं को चोट पहुंचायी है।'' कुमार ने कहा, '' आने वाले दिनों में इस प्रस्ताव पर सदन में बहस हो सकती है।''

पाकिस्तान ने वरिष्ठ भारतीय राजनयिक को किया तलब

इस्लामाबाद। नियंत्रण रेखा पर भारतीय सेना पर संघर्ष विराम का उल्लंघन करने का आरोप लगाते हुए पाकिस्तान ने सोमवार को भारतीय उच्चायोग के एक वरिष्ठ राजनयिक को तलब किया। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय की ओर से जारी एक वक्तव्य में कहा गया कि राखचिकरी और खुइराटा सेक्टर में बिना उकसावे के की गई गोलीबारी में उसके छह नागरिक घायल हो गए। वक्तव्य में आरोप लगाया गया कि भारतीय सेना ÷नियंत्रण रेखा और कामकाजी सीमा के पास तोपखाने, मोर्टार और स्वचालित हथियारों से गोले दाग कर लगातार नागरिकों को निशाना बना रही है।÷ पाकिस्तान की ओर से दावा किया गया है कि इस साल संघर्ष विराम का उल्लंघन होने की 1,659 घटनाओं में 14 लोग मारे गए और 129 अन्य घायल हो गए। वक्तव्य के अनुसार भारतीय पक्ष से 2003 में हुए समझौते का मान रखने को कहा गया है।

ब्रिटेन में 24 जुलाई से दुकानों में मास्क पहनना अनिवार्य

लंदन (एजेंसी)।

वैश्विक महामारी कोरोना वायरस से जूझ रहे ब्रिटेन में दुकानों में मास्क पहनना अनिवार्य कर दिया गया है। यह नया नियम 24 जुलाई से लागू होगा। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कार्यालय के प्रवक्ता ने मंगलवार को यह जानकारी दी। प्रवक्ता ने कहा, '' इस बात के पुख्ता प्रमाण मिले हैं कि एक बंद जगह पर मास्क पहनने से कोरोना वायरस (कोविड-19) के संक्रमण को लोगों में फैलने से रोका जा सकता है। प्रधानमंत्री इस बात को लेकर आश्वस्त हैं कि लोगों को दुकानों में मास्क पहनना चाहिए इसलिए हम इस नियम को 24 जुलाई से अनिवार्य बनाने जा रहे हैं। इससे पहले ब्रिटेन की सरकार ने 15 जून को सार्वजनिक परिवहन के साधनों में सफर के दौरान मास्क पहनने को अनिवार्य कर दिया था। गौरतलब है कि गत सप्ताह इस बात को लेकर ब्रिटेन सरकार के कई कैबिनेट मंत्रियों की ओर से अलग-अलग बयान सामने आ रहे थे कि दुकानों और अन्य सार्वजनिक स्थानों पर मास्क पहनना अनिवार्य किया जाये अथवा नहीं। ब्रिटेन की पुलिस मास्क पहनने के इस नियम का पालन करवायेगी। इस नियम का उल्लंघन करने पर 100 पाउंड का जुर्माना भरना पड़ सकता है। ब्रिटेन के स्वास्थ्य मंत्री मैट हैनकॉक मंगलवार को इस संबंध में विस्तृत दिशा-निर्देशों की घोषणा करेंगे। उल्लेखनीय है कि कोरोना संक्रमण की शुरुआत में प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन समेत कई अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने कहा था कि सार्वजनिक स्थानों पर मास्क पहनने से कोरोना संक्रमण को रोकने में कुछ खास मदद नहीं मिलती है। अमेरिका की जॉन हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी के विज्ञान एवं इंजीनियरिंग केन्द्र (सीएसएसई) की ओर से जारी किए गए ताजा आंकड़ों के मुताबिक ब्रिटेन में अब तक कोरोना संक्रमण के 2,91,691 मामलों की पुष्टि हो चुकी है जबकि इस महामारी के कारण करीब 45 हजार लोगों की मौत हो चुकी है।

फ्रांस के पिघलते ग्लेशियर से मिले 1966 के भारतीय अखबार, इंदिरा गांधी की जीत का है जिक्र

लंदन (एजेंसी)।

पश्चिमी यूरोप में मों ब्लां पर्वत श्रृंखला पर फ्रांसीसी बोसन्स ग्लेशियरों से 1966 में इंदिरा गांधी की चुनावी विजय की सुर्खियों वाले भारतीय अखबार मिले हैं। इस स्थान पर उसी साल एअर इंडिया का एक विमान दुर्घटनाग्रस्त हुआ था। फ्रांस के एक अखबार के अनुसार 24 जनवरी, 1966 को यूरोप की सर्वोच्च पर्वत श्रृंखला में एअर इंडिया का एक विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया था जिसके मलबे में से 'नेशनल हेराल्ड% और 'इकनोमिक टाइम्स% समेत करीब एक भारतीय अखबारों की प्रतियां मिली हैं। फ्रांसीसी रिसॉर्ट शामोनी से भी ऊपर, 1350 मीटर की ऊंचाई पर एक कैफे-रेस्तरां चलाने वाले तिमोथी मोतीन को यह अखबार मिला। उल्लेखनीय है कि 24 जनवरी, 1966 को यूरोप की सर्वोच्च पर्वत श्रृंखला में एअर इंडिया का जो विमान दुर्घटनाग्रस्त हुआ था, उसमें भारतीय परमाणु परियोजना की परिकल्पना करने वाले वैज्ञानिक होमी जहांगीर भाभा भी सवार थे। ब्रिटेन के 'द गार्डियन अखबार और अन्य एजेंसियों ने स्थानीय फ्रांसीसी अखबार 'ली डाउपिन लिबेरे को टिमोथी द्वारा दी गयी जानकारी के हवाले से लिखा ''वे अभी सूख रहे हैं लेकिन बहुत अच्छी स्थिति में हैं। आप उन्हें पढ़ सकते हैं। उन्होंने कहा, ''यह असामान्य बात नहीं है। जब भी हम दोस्तों के साथ ग्लेशियर पर घूमते हैं तो हमें दुर्घटनाग्रस्त विमान का मलबा मिलता है। आपको अनुभव से समझ में आ जाता है कि कहां पर चीजें हैं। एअर इंडिया बोइंग 707 विमान हवाई यातायात नियंत्रण से संबंधित किसी संवादहीनता की वजह से पहाड़ों में दुर्घटनाग्रस्त हो गया था जिसमें उस पर सवार चालक दल के सदस्यों समेत सभी 177 लोग मारे गए थे। मोटिन का कैफै बोसन ग्लेशियर से करीब 45 मिनट की पैदल दूरी पर है। मोटिन ने कहा कि उन्हें किस्मत से अखबार मिल गस् क्योंकि जिस बर्फ में वह करीब छह दशक से दबे हुए थे, वह शायद हाल ही में पिघलनी शुरू हुई थी। उन्होंने कहा कि ये अखबार सूखने के बाद दुर्घटनाग्रस्त विमान के मलबे के उस संग्रह का हिस्सा बन जाएंगे जिसे मोटिन ने अपने कैफे में आनेजाने वाले लोगों के लिए सजा रखा है। एअर इंडिया के विमान की इस दुर्घटना से संबंधित अनेक चीजें 2012 से मिलनी शुरू हुई थीं।

2012 में राजनयिक डाक का एक थैला मिला था जिसमें 'भारत सरकार की सेवा में, राजनयिक डाक, विदेश मंत्रालय की मुहर लगी थी। एक साल बाद एक फ्रांसीसी पर्वतारोही को धातु का एक डिब्बा मिला जिस पर एअर इंडिया का लोगो था और उसमें 117,000 से लेकर 230,000 ब्रिटिश पाउंड कीमत के पन्ने, नीलम और माणिक्य थे। इस इलाके में 2017 में मानव अवशेष भी मिले जिन्हें 1966 के दुर्घटनाग्रस्त विमान या 1950 में इलाके में दुर्घटना का शिकार हुए एक अन्य भारतीय विमान 'मालाबार प्रिंसेस से संबंधित माना जा रहा है।

चीन में ड्राइवर ने जानबूझकर झील में गिरा दी यात्रियों से भरी बस, 21 लोगों की गई जान

बीजिंग। चीन में एक बस ड्राइवर की दिल दहलाने वाली करतूत सामने आई है। चीन के गुइझोऊ प्रांत के शहर अंशु में एक बस चालक ने यात्रियों से भरी बस को जानबूझ कर झील में गिरा दिया। चालक के इस जानबूझकर उठाए गए कदम से 21 लोगों की मौत हो गई व 15 अन्य घायल हो गए। पुलिस का कहना है कि ड्राइवर गुस्से में था इसलिए उसने जानबूझकर यह कदम उठाया। हादसे में बस चालक की भी मौत हो गई है। मंगलवार को चीन में हुई दुर्घटना में जांच कर रही पुलिस टीम ने बस चालक को दोषी ठहराया है। पुलिस का कहना है कि चालक की पहचान झांग (52) के रूप में हुई है। वह सुबह अपने घर के गिराए जाने पर दुखी था जिस कारण उसने इस घटना को अंजाम दिया। पुलिस ने जांच में कहा है, अपने जीवन की परिस्थितियों और किराए के सार्वजनिक आवास के गिराए के कारण चालक ने सार्वजनिक सुरक्षा को खतरे में डालने वाला घिनौना अपराध किया है पुलिस रिपोर्ट में कहा गया है कि मंगलवार की सुबह, बस चालक ने शिकायत करने के लिए एक सरकारी हॉटलाइन को कॉल किया कि उसका घर ध्वस्त होने वाला था। चालक ने घर के गिराए जाने के बाद अपने एक सहकर्मी के साथ शिफ्ट को बदल लिया था। इसके बाद उसने शराब को पानी की बोतल में लेकर ड्यूटी के दौरान नशा किया। पुलिस रिपोर्ट में कहा गया है कि उसने अपनी प्रेमिका के लिए वीचैट पर कुछ ऑडियो संदेश छोड़े थे। इन ऑडियो संदेश में वह अपनी गर्लफ्रेंड को दुनिया के साथ घृणा के बारे बताता है जिसके बाद वह नशे में अपने काम पर चला गया। घटना से जुड़ा एक वीडियो सामने आया है।

शर्मनाकः गलती छिपाने के लिए गलवान घाटी संघर्ष में मारे गए सैनिकों का अंतिम संस्कार नहीं होने दे रहा चीन

नई दिल्ली (एजेंसी)।

पूर्वी लद्दाख की गलवान घाटी में चीनी और भारतीय सैनिकों के बीच हुई हिंसक झड़प में भारतीय सेना के कुल 20 सैनिक शहीद हो गए थे । इन जवानों ने अपनी शहादत देने से पहले चीन के 43 जवानों को मौत के घाट उतारा था। वहीं अब अमेरिका के एक खुफिया रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि चीन अपनी गलतियों को छिपाने के लिए गलवान घाटी में मारे गए अपने सैनिकों के शव को दफनाने नहीं दे रहा है। दरअसल चीन को डर सता रहा है कि अगर मारे गए सैनिकों के कब्र की फोटो सोशल मीडिया अंसतरराष्ट्रीय मीडिया में आ गईं तो उसकी छवि को गहरा धक्सका लगेगा। भारत में जहां शहीद जवानों के शव का हीरो की तरह से स्सवागत किया गया वहीं चीन अब गलवान घाटी में मारे गए अपने सैनिकों के परिवार वालों पर शवों को नहीं दफनाने का दबाव डाल रहा है। चीन इस वजह से अपने सैनिकों के मारे जाने को स्सवीकार नहीं कर रहा है क्सयोंकि वह अपनी इस बड़ी गलती को छिपाना चाहता है। वहीं चीन सरकार के इस फैसले से मारे गए चीनी सैनिकों के परिवार वाले गुस्ससे में हैं। चीन सरकार अब इन परिवार को शांत कराने का प्रयास कर रही है। वहीं ये लोग वीबो और अन्सय सोशल मीडिया प्सलेटफार्म का इस्सतेमाल करके अपना दुख साझा कर रहे हैं। वहीं लद्दाख में भारत-चीन के बीच जारी गतिरोध के बीच मोदी सरकार ने चाइनीज ऐप्स पर बड़ा एक्शन लिया है। सरकार ने टिक-टॉक समेत 59 चाइनीज ऐप पर बैन लगा दिया है। बता दें कि लद्दाख में भारत चीन के बीच हुई हिंसक झड़प के बाद खुफिया एजेंसी अलर्ट पर हैं। भारतीय सुरक्षा एजेंसियों ने सरकार से कहा था कि या तो चीन से जुड़े 52 मोबाइल एप्लिकेशन को ब्लॉक कर दिया जाए या लोगों को इनका इस्तेमाल ना करने की सलाह दी जाए, क्योंकि इनका इस्तेमाल करना सुरक्षित नहीं है। ये ऐप बड़े पैमाने पर डेटा को भारत से बाहर भेज रहे हैं। जैसे ऐप शामिल हैं। केंद्र सरकार के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया था कि इंटेलिजेंस एजेंसियों की ओर से दिया गए प्रस्ताव का समर्थन नेशनल सिक्यॉरिटी काउंसिल सेक्रेटिएट ने भी किया, जिसका मानना है कि ये एप भारत की सुरक्षा के लिए खतरा बन सकते थे। दरअसल गलवान की घटना से लेफ्टिनेंट जनरल लेवल की बातचीत के दौरान यह तय हुआ था कि गलवान में एलओसी के पास से चीन अपने सैनिकों को साझोसामान के साथ पीछे हटाएगा। चीन ने ऐसा करना शुरू भी कर दिया, लेकिन 15 जून की शाम आते आते ही भाारतीय सेना को चीन की चाल का अंदाजा होने लगा था। कर्नल संतोष बाबू ने इस पलटन से लेफ्टिनेंट जनरल लेवल टॉक्स का हवाला देते हुए इस इलाक़े को ख़ाली करने के लिए कहा, पहली झड़प में ज्यादातर हाथापाई हुई, दूसरी झड़प में चीनी सैनिकों ने कंटीले रॉड का भी इस्तेमाल किया और तीसरी झड़प में भारतीय सेना ने नियंत्रण रेखा पार जाकर अपने शहीद सीओ और जवानों का बदला लिया।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

राजस्थान राजनीतिक संकट- नेता सोशल मीडिया पर कर रहे शेरो शायरी और कस रहे तंज

जयपुर(एजेंसी)।

मैं बोलता हूं, तो इल्जाम है बगावत का, मैं चुप रहूं तो बड़ी बेबसी सी होती है.... कांग्रेस के खिलाफ बगावती रुख अपना चुके राजस्थान के उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट के करीबी एवं राज्य पर्यटन मंत्री विश्वेंद्र सिंह ने मंगलवार सुबह जब यह ट्वीट किया तो भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनिया ने न केवल इस पर दाद दी, बल्कि इसे रिट्वीट भी किया। राजस्थान में जारी राजनीतिक उठा पटक के बीच नेता सोशल मीडिया पर शेरो शायरी के जरिए विरोधी खेमे पर तंज कसने से नहीं चूक रहे। सिंह ने मंगलवार सुबह ट्वीट किया, मैं बोलता हूं, तो इल्जाम है बगावत का, मैं चुप रहूं तो बड़ी बेबसी सी होती है। इस ट्वीट को डेढ़ हजार से ज्यादा लोगों ने साझा किया, जिनमें भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष पूनिया भी शामिल हैं। पूनिया ने इसके साथ ही टिप्पणी की, वाह राजा साहब,बेहद खूब; बेअंदाज है आपके निराले अंदाज। आप न तो इल्जाम की परवाह करते हैं; न आप बेबस हो सकते हैं। जय हो, विजय हो आपकी। वहीं, भाजपा के नेता एवं केंद्रीय मंत्री कैलाश चौधरी ने इसे रिट्वीट करते हुए लिखा, कुशासन के विरोध में आवाज उठाना ही सही मायने में वर्तमान का सेवाधर्म और प्राचीन काल का राजधर्म है। आपने एक सच्चे नायक होने का एहसास दिलाया है। वर्तमान का घटनाक्रम राजस्थान की कांग्रेस सरकार के जनविरोधी शासन का परिचायक है। इसके बाद सिंह ने एक और ट्वीट किया, मेरी फितरत ही कुछ ऐसी है कि ग़ा लिबन सच कहने का लुत्फ़ उठाता हूं मैं। उल्लेखनीय है कि सिंह गहलोत सरकार के उन तीन मंत्रियों में से एक हैं,।

जो विधायक दल की सोमवार को हुई बैठक में शामिल नहीं हुए। पायलट खेमे के एक और विधायक मुकेश भाकर ने भी सोशल मीडिया पर लिखा था, जिंदा हो तो जिंदा नजर आना जरूरी है, उसूलों पर आंच आए तो टकराना जरूरी है। हालांकि इसे लेकर वह काफी ट्रोल भी हुए। राजस्थान के इस सियासी नाटक के केंद्र में मौजूद सचिन पायलट इस बारे में सोशल मीडिया पर चुप हैं।

भारत में घटी भूखे लोगों की संख्या, दुनिया में 69 करोड़ लोगों के पास खाना नहीं

इंटरनेशनल डेस्क(एजेंसी)।

कोरोना संकट के बीच भारत के लिए एक अच्छी खबर है। देश में भूखे लोगों की संख्या 6 करोड़ घट गई है। संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट के मुताबिक दुनियाभर में करीब 69 करोड़ लोग अल्पपोषित (या भूखे) हैं। रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि बच्चों में बौनेपन की समस्या कम हो गई है लेकिन देश के वयस्कों में मोटापा बढ़ रहा है। सोमवार को जारी, 'विश्व में खाद्य सुरक्षा एवं पोषण स्थिति रिपोर्ट के मुताबिक 2019 में दुनिया भर में करीब 69 करोड़ लोग अल्पपोषित (या भूखे) हैं। यह संख्या 2018 के मुकाबले एक करोड़ ज्यादा है। भूख एवं कुपोषण को खत्म करने की प्रगति पर नजर रखने वाली सबसे आधिकारिक वैश्विक अध्ययन माने जाने वाली इस रिपोर्ट में कहा गया कि भारत में अल्पपोषित लोगों की संख्या 2004-06 के 24.94 करोड़ से घटकर 2017-19 में 18.92 करोड़ हो गई। प्रतिशत के हिसाब से देखें तो भारत की कुल आबादी में अल्पपोषण की व्यापकता 2004-06 में 21.7 प्रतिशत से घटकर 2017-19 में 14 प्रतिशत हो गई। इसमें कहा गया कि दो उपक्षेत्रों जिनमें अल्पपोषण में कमी दिखी है- पूर्वी एवं दक्षिण एशिया में- वहां महाद्वीप की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं- चीन और भारत का वर्चस्व है। इस रिपोर्ट को संयुक्त राष्ट्र के खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ), अंतर्राष्ट्रीय कृषि विकास कोष , संयुक्त राष्ट्र बाल कोष संयुक्त राष्ट्र विश्व खाद्य कार्यक्रम और विश्व स्वास्थ्य संगठन की ओर से संयुक्त रूप से तैयार किया गया है। इसमें यह भी कहा गया कि भारत में पांच साल से कम उम्र के बच्चों में बौनेपन की समस्या भी 2012 में 47.8 प्रतिशत से घटकर 2019 में 34.7 प्रतिशत हो गई यानि 2012 में यह समस्या 6.2 करोड़ बच्चों में थी जो 2019 में घटकर 4.03 करोड़ हो गई। रिपोर्ट में कहा गया कि ज्यादातर भारतीय वयस्क 2012 से 2016 के बीच मोटापे के शिकार हुए। मोटापे से ग्रस्त होने वाले वयस्कों की संख्या 2012 के 2.52 करोड़ से बढ़कर 2016 में 3.43 करोड़ हो गई यानि 3.1 प्रतिशत से बढ़कर 3.9 प्रतिशत हो गई। वहीं खून की कमी (अनीमिया) 16.56 करोड़ से बढ़कर 2016 में 17.56 करोड़ हो गई। 0-5 माह के शिशु जो पूरी तरह स्तनपान करते हैं ।

अयोध्या: रामजन्मभूमि परिसर में जमीन की मांग को लेकर बौद्ध भिक्षुओं ने शुरू किया आमरण अनशन

अयोध्या। अयोध्या विवाद मामले में अब नया मोड़ आ गया है। विवादित परिसर पर बौद्धों ने भी अपना दावा किया है। इसी मुद्दे को लेकर दो बौद्ध भिक्षु कलेक्ट्रेट के सामने आमरण अनशन भी शुरू कर दिया है। आमरण अनशन पर बैठे बौद्धों की मांग है कि राम जन्मभूमि परिसर में समतलीकरण को लेकर मिले प्राचीन मूर्तियों और प्रतीक चिन्हों को सार्वजनिक किया जाए। साथ ही उनके प्रतीक चिन्हों को बौद्धों को सौंपा जाए। रामजन्मभूमि परिसर में जमीन की भी मांग की है। बताते चलें कि बिहार से अयोध्या पहुंचे अखिल भारतीय आजाद बौद्ध धम्म सेना संगठन के भंते बुद्ध शरण केसरिया ने सोमवार को कलेक्ट्रेट परिसर में आमरण अनशन शुरू कर दिया। उन्होंने प्राचीन बुद्ध नगरी साकेत को वर्तमान अयोध्या में अति विवादित स्थल पर बन रहे राम मंदिर के निर्माण कार्य को रोककर उक्त मुद्दे को सुलझाने हेतु यूनेस्को को सौंपकर उसके संरक्षण में खुदाई कराने एवं बुद्ध अवशेषों को संरक्षित करने की मांग की है। बुद्धशरण केसरिया का कहना है कि अयोध्या में बन रहे राममंदिर निर्माण हेतु चल रहे समतलीकरण के दौरान बुद्ध संस्कृति से जुड़ी बहुत सारी बुद्ध मूर्तियां, अशोक धम्म वर्तमान अयोध्या बोधिसत्व लोमश ऋषि की बुद्ध नगरी साकेत है।

कश्मीर के पुलवामा में सुरक्षाबलों ने चलाया तलाशी अभियान

श्रीनगर। कश्मीर के पुलवामा में मंगलवार को सुरक्षाबलों ने तलाश अभियान चलाया। सुरक्षाबलों ने त्राल की घेराबंदी करके पूरे इलाके को खंगाला। उन्हें खूफिया सूत्रों से इलाके में आतंकियों के होने की सूचना मिली थी और इसके बाद उन्होंने तनसू इलाके को घेरा और सर्च की। जनकारी के अनुसार सेना की आरआर, पुलिस और केन्द्रिय रिजर्व पुलिस के जवानों ने इस पूरे अभियान को अंजाम दिया। जनकारी के अनुसार सेना की आरआर, पुलिस और केन्द्रिय रिजर्व पुलिस के जवानों ने इस पूरे अभियान को अंजाम दिया। उन्होंने गांव के सभी प्रवेश और निकासी मार्गों को बंद करके कासो चलाया पर उनका आतंकियों से सामना नहीं हुआ। खबर लेखे जाने तक अभियान जारी था।

क्या महाराष्ट्र में हो रही ऑपरेशन कमल की तैयारी?

नेशनल डेस्क(एजेंसी)।

राजनीति में कुछ भी संभव है, कब दोस्त दुश्मन बन जाए और कब दुश्मन दोस्त बन जाए कहा नहीं जा सकता। अब राजस्थान का हाल ही देख लो दो दिग्गज नेताओं के बीच की खींचा तानी कांग्रेस को किस मोड़ पर ले आई है। कयास तो यह भी लगाए जा रहे हैं कि राजस्थान के बाद महाराष्ट्र में भी कुछ ऐसी ही तस्वीर देखने को मिल सकती है। खबरों की मानें तो महाराष्ट्र सरकार को शरद पवार रिमोट से चलाने की कोशिश कर रहे हैं, जिससे मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे काफी नाराज हैं। इसी नाराजगी का फायदा उठा सकती है भाजपा। सूत्रों के अनुसार भाजपा ज्योतिरादित्य सिंधिया के माध्यम से महाराष्ट्र में भी कांग्रेस के नाराज विधायकों को अपने पाले में कर बड़ा उलटफेर कर सकती है। हालांकि पवार ने यह साफ कर दिया है ऑपरेशन कमल महाराष्ट्र में काम नहीं करेगा, ठाकरे सरकार अपना कार्यकाल पूरा करेगी। पवार चाहे कुछ भी कहें लेकिन इतना साफ है कि महाराष्ट्र सरकार को आने वाले संकट का अहसास हो गया है और तभी उद्धव ठाकरे सरकार साथी दलों को एकजुट करने में लग गई है। इसी कड़ी में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) प्रमुख शरद पवार ने मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे से मुलाकात की है। वहीं केंद्र में मोदी सरकार के साथी केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले द्वारा शरद पवार को एनडीए में आने का आमंत्रण देना ऑपरेशन कमल की तरफ इशारा कर रहा है। आठवले ने शरद पवार से अनुरोध किया कि वह राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) में शामिल हों और महाराष्ट्र में उनकी पार्टी और भाजपा के साथ मिलकर सरकार बनाएं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और शिवसेना के साथ राकांपा का गठबंधन उसके लिये फायदेमंद नहीं है। राकांपा के शिवसेना को समर्थन देने के फैसले से उसको कोई फायदा नहीं होने वाला।

दुबे मुठभेड़: उच्चतम न्यायालय ने दिए जांच समिति गठन के संकेत

नई दिल्ली(एजेंसी)।

उच्चतम न्यायालय ने उत्तर प्रदेश के दुर्दांत अपराधी विकास दुबे एवं उसके गुर्गों की मुठभेड़ की विशेष जांच संबंधी याचिका पर राज्य सरकार से मंगलवार को जवाब तलब किया। मुख्य न्यायाधीश शरद अरविंद बोबडे, न्यायमूर्ति आर सुभाष रेड्डी और न्यायमूर्ति ए एस बोपन्ना की खंडपीठ ने राज्य सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल और याचिकाकर्ता वकीलों- घनश्याम उपाध्याय और अनूप अवस्थी- की दलीलें सुनने के बाद हैदराबाद मुठभेड़ की तर्ज पर तथ्यान्वेषी समिति गठित करने के संकेत दिए। न्यायालय ने राज्य सरकार को गुरुवार तक अपना पक्ष रखने का निर्देश दिया। न्यायालय ने मामले की सुनवाई के लिए सोमवार (20 जुलाई) की तारीख मुकर्रर की। इससे पहले श्री मेहता ने कहा कि उन्हें इस मामले में राज्य सरकार का दृष्टिकोण रखने की अनुमति प्रदान की जाये। उन्होंने कहा कि वह राज्य सरकार का पक्ष रखने के लिए हलफनामा दायर करना चाहते हैं, इसके बाद न्यायालय ने इसके लिए गुरुवार तक का समय दिया। सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति बोबडे ने कहा कि वह इस मामले में भी वैसा ही रुख अख्तियार करेंगे जैसे हैदराबाद मुठभेड़ कांड में अपनाया था। अख्तियार करेंगे जैसे हैदराबाद मुठभेड़ कांड में अपनाया था। उन्होंने हैदराबाद की तर्ज पर ही इस मामले में भी तथ्यान्वेषी समिति गठित करने के संकेत दिये।

आईएएस अधिकारी बनना चाहती है 98.2 प्रतिशत अंक लेने वाली सिमरन

साम्बा(एजेंसी) ।

केन्द्रिय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) के 12वीं कक्षा के सोमवार को घोषित परिणाम में विजयपुर की दो छात्राओं ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। यह दोनों आर्मी स्कूल बड़ी-ब्राहमणा की छात्राएं है। विजयपुर के वार्ड-9 की रहने वाली 12वीं की छात्रा सिमरनजीत कौर ने आर्ट्स संकाय में 98.2 प्रतिशत अंक हासिल किए हैं। सिमरन ने पॉलिटिकल साईंस में शतप्रतिशत यानि 100 अंक लिए जबकि इकोनॉमिक्स व कंप्यूटर साईंस में उसने 99 अंक लिए। सिमरन ने बताया कि वह फिलहाल गेजुएशन करेगी और उसके बाद यूपीएसी के लिए तैयारी करेगी। सिमरन का कहना है कि बतौर आईएएस अधिकारी प्रशासनिक सेवा में जाना उसका सपना है जिसके वह अब और भी मेहनत करेगी। सिरमन ने बताया कि लगन और साल भर की लगातार मेहनत के दम पर ही उसने इतने अच्छे अंक लिए हैं। वहीं विजयपुर की ही मंदीप कौर ने भी 97 प्रतिशत अंक हासिल किए हैं। साईंस (मेडिकल-नॉन मेडिकल) विषयों में 97 प्रतिशत अंक हासिल करने वाली इस मेधावी छात्रा ने बायोलॉजी (जीवविज्ञान) में शतप्रतिशत हासिल किए हैं। मंदीप की इस उपलब्धि से उसके परिजन बेहद खुश हैं। वहीं मंदीप का कहना है कि वह अब नीट की परीक्षा पास कर डॉक्टर बनना चाहती है। । घोषित हुए नतीजों में जवाहर नवोदय विद्यालय के छात्र मृदुल शर्मा पुत्र गोपाल शर्मा (वरिष्ठ पत्रकार) व त्रिशला शर्मा ने 478 अंक लेकर नॉन मेडिकल टीम में पहला स्थान प्राप्त कर स्कूल का नाम रोशन किया ।

सचिन पायलट के समर्थन में आए कांग्रेस नेता जितिन प्रसाद, बोले-उन्होंने समर्पण से काम किया

नेशनल डेस्क(एजेंसी)।

राजस्थान में सियासी बवाल थमने का नाम नहीं ले रहा है। कांग्रेस विधायक दल की बैठक में सचिन पायल के खिलाफ पारित किया गया और उसके तुरंत बाद उन्हें मंत्री पद से हटा दिया गया। इन सबके बीच कांग्रेस के पूर्व केंद्रीय मंत्री जितिन प्रसाद सचिन पायलट के समर्थन में आ गए हैं। जितिन प्रसाद ने ट्वीट किया, सचिन पायलट सिर्फ एक सहयोगी ही नहीं बल्कि मेरे दोस्त भी हैं। कोई भी इस तथ्य से इनकार नहीं कर सकता है कि वर्षों से उन्होंने पार्टी के लिए समर्पण के साथ काम किया है। उम्मीद है कि परिस्थितियां सुधरेंगी। दुखद है कि बात यहां तक पहुंची। गौरतलब है कि अशोक गहलोत सरकार के खिलाफ बगावती रुख अपनाने के लिए पायलट एवं उनके साथी नेताओं के खिलाफ कांग्रेस ने कड़ी कार्रवाई की है। पायलट को उपमुख्यमंत्री पद के साथ-साथ पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष पद से भी हटा दिया गया है। इससे पहले सचिन पायलट ने ट्वीट किया, सत्य को परेशान किया जा सकता है, पराजित नहीं। कार्रवाई से पहले सचिन पायलट और उनके समर्थकों ने अशोक गहलोत को सीएम मानने से इनकार कर दिया था। वहीं, राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने मंगलवार को कहा कि बगावत करने वाले सचिन पायलट के हाथ में कुछ नहीं है और वे केवल भाजपा के हाथ में खेल रहे हैं। राज्यपाल कलराज मिश्र से मुलाकात करने के बाद गहलोत ने संवाददाताओं से कहा कि भाजपा मध्य प्रदेश के खेल को राजस्थान में भी दोहराना चाहती थी और यह सब पिछले छह महीने से चल रहा था। भी दोहराना चाहती थी और यह सब पिछले छह महीने से चल रहा था। भी दोहराना चाहती थी और यह सब पिछले छह महीने से चल रहा था। भी दोहराना चाहती थी और यह सब पिछले छह महीने से चल रहा था। गहलोत ने कहा कि पायलट व उनके साथ गए अन्य मंत्रियों, विधायकों को मौका दिया गया, लेकिन वे न तो सोमवार को और न ही मंगलवार को कांग्रेस विधायक दल की बैठक में आए। गहलोत ने कहा, सचिन पायलट के हाथ में कुछ भी नहीं हैं। वह तो केवल भाजपा के हाथ में खेल रहे हैं...जो रिसॉर्ट सहित बाकी सारे बंदोबस्त करने में जुटी है। उन्होंने कहा कि पिछले छह महीने से राज्य में विधायकों की खरीद फरोख्त के प्रयास चल रहे थे। पायलट सहित तीन मंत्रियों को उनके पदों से हटाए जाने के फैसले की ओर इशारा करते हुए उन्होंने कहा कि पार्टी ने मजबूर होकर यह फैसला किया है। गहलोत ने कहा, के फैसले से कोई खुश नहीं है, न पार्टी, न आलाकमान।

खतरे में ममता की कुर्सी! बंगाल सरकार की बर्खास्तगी को लेकर राष्ट्रपति से मिले भाजपा नेता

नेशनल डेस्क। भाजपा नेताओं के एक प्रतिनिधमंडल ने मंगलवार को राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद से मुलाकात की और पश्चिम बंगाल में उत्तरी दिनाजपुर जिले के हेमताबाद के विधायक देबेंद्र नाथ रे की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत की सीबीआई जांच की मांग के साथ-साथ राज्य की तृणमूल कांग्रेस सरकार को बर्खास्त करने की भी मांग की। भाजपा महासचिव व पश्चिम बंगाल के प्रभारी कैलाश विजयवर्गीय के नेतृत्व में राष्ट्रपति से मिलने गए प्रतिनिधमंडल ने इसके साथ ही पश्चिम बंगाल विधानसभा को भंग करने और राष्ट्रपति कोविंद से इस संबंध में आवश्यक कदम उठाने की मांग की। राष्ट्रपति से मुलाकात के बाद संवाददाताओं से बातचीत में विजयवर्गीय ने कहा कि हमें वहां की किसी भी एजेंसी पर कोई विश्वास नहीं है। हमने राष्ट्रपति जी से मांग की है कि इस प्रकरण की सीबीआई जांच होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि साथ ही ऐसी सरकार को सत्ता में बने रहने का कोई अधिकार नहीं है, जहां पर जनप्रतिनिधि भी सुरक्षित नहीं रह सकते। इसलिए इस सरकार को तत्काल बर्खास्त किया जाना चाहिए। इस संबंध में राज्यपाल से रिपोर्ट मंगवानी चाहिए। विजयवर्गीय के अलावा इस प्रतिनिधमंडल में केंद्रीय मंत्री बाबुल सुप्रियो, राज्यसभा सदस्य स्वपन दासगुप्ता, लोकसभा सदस्य राजू बिष्ट और भाजपा के संगठन मंत्री अरविंद मेनन शामिल थे। विजयवर्गीय ने बाद में एक वीडियो जारी कर कहा कि पश्चिम बंगाल में प्रजातंत्र ''सूली पर लटका'' हुआ है। अभी तक वहां कार्यकर्ताओं की हत्या हो रही थी, सांसदों को अपने क्षेत्रों में जाने नहीं दिया जा रहा था और अब जनप्रतिनिधियों की हत्या हो रही है। भाजपा नेता ने कहा कि मैं समझता हूं कि देश के अंदर पश्चिम बंगाल एक ऐसा अराजक राज्य हो गया है जहां की सरकार को सत्ता में बने रहने का कोई अधिकार नहीं है।

संक्षिप्त समाचार

पश्चिम बंगाल ने प्रवासियों के मुद्दे को ठीक से नहीं संभाला: बम्बई उच्च न्यायालय

मुंबई। बम्बई उच्च न्यायालय ने मंगलवार को कहा कि कोविड-19 महामारी के बीच पश्चिम बंगाल ने प्रवासियों के मुद्दे को ठीक से नहीं संभाला और वहां की सरकार ने एक बार तो देश के अन्य हिस्सों से मजदूरों को उनके घर लौटने की अनुमति देने से भी इनकार कर दिया था। मुख्य न्यायाधीश दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति अनुजा प्रभुदेसाई की खंडपीठ ने मुंबई स्थित ट्रेड यूनियन संस्था च्सेंटर ऑफ इंडियन ट्रेड यूनियन्स की याचिका पर सुनवाई करते हुए यह टिप्पणी की, जिसमें लॉकडाउन के मद्देनजर महाराष्ट्र में फंसे प्रवासी श्रमिकों की दुर्दशा पर चिंता जतायी गई है। याचिकाकर्ता के अनुसार, प्रवासी श्रमिकों को श्रमिक स्पेशल ट्रेनों से उनके मूल राज्यों में भेजने के लिए उनके पंजीकरण के लिए महाराष्ट्र सरकार द्वारा निर्धारित प्रक्रिया काफी कठिन है और इसे सरल बनाया जाना चाहिए, ताकि मजदूर आसानी से अपना पंजीकरण करा सकें। सरकार ने पिछले महीने अदालत को बताया था कि वर्तमान में श्रमिक स्पेशल ट्रेनों की कोई मांग नहीं है। याचिकाकर्ता की ओर से पेश वरिष्ठ वकील गायत्री सिंह ने मंगलवार को अदालत को बताया कि सरकारों का कहना है कि कोई फंसे हुए प्रवासी मजदूर नहीं हैं जो अपने मूल राज्यों में वापस जाना चाहते हैं, जोकि बिल्कुल गलत है। सिंह ने कहा, च्याचिकाकर्ता ऐसे कई प्रवासी मजदूरों के संपर्क में है, जो अभी भी अपने मूल राज्यों में वापस जाना चाहते हैं और ऐसे मजदूरों की संख्या करीब 56,000 है। इनमें से कई मजदूर पश्चिम बंगाल के हैं। मुख्य न्यायाधीश दत्ता ने कहा, क्या आपको पश्चिम बंगाल की स्थिति के बारे में पता है? वहां की सरकार ने एक बार तो प्रवासी मजदूरों को वापस लौटने की अनुमति नहीं दी थी... हम किसी के खिलाफ कुछ भी कहना नहीं चाहते हैं, लेकिन वहां स्थिति को ठीक से संभाला नहीं गया। उन्होंने महाराष्ट्र के रत्नागिरी जिले में फंसे 30 मजदूरों का भी उदाहरण दिया, जिन्होंने कुछ समय पहले अपने दम पर एक बस की व्यवस्था की थी, जिससे वह पश्चिम बंगाल गये थे। महाराष्ट्र सरकार की ओर से पेश हुए महाधिवक्ता आशुतोष कुंभकोनी ने मंगलवार को अदालत को बताया कि प्रवासी श्रमिकों के मुद्दे से संबंधित इसी तरह का एक मामला उच्चतम न्यायालय में लंबित है। गौरतलब है कि उच्चतम न्यायालय ने 9 जुलाई, 2020 के अपने फैसले में अपने मूल राज्यों में लौटने की इच्छा रखने वाले महाराष्ट्र में फंसे हुए प्रवासियों का पता लगाने के प्रति राज्य सरकारों की अनिच्छा पर नाराजगी व्यक्त की थी। शीर्ष अदालत ने इस संबंध में महाराष्ट्र सरकार से जवाब मांगा और इस मामले को अगली सुनवाई के लिए 17 जुलाई को सूचीबद्ध किया। इसे देखते हुए उच्च न्यायालय की पीठ ने इस याचिका पर अगली सुनवाई अगस्त के पहले सप्ताह में करने का फैसला किया।

कठुआ जिले में मामूली विवाद में एक व्यक्ति की मौत

जम्मू । जम्मू कश्मीर के कठुआ जिले में एक मामूली मुद्दे को लेकर दो समूहों के बीच हुई झड़प में 30 वर्षीय एक व्यक्ति की मौत हो गयी। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि नागरी के बडाला गांव निवासी दीपक कुमार और उसके दोस्तों की रविवार रात करीब 10.30 बजे चक द्राब खान गांव के कुछ युवकों के साथ हाथापाई हुयी। अधिकारी ने कहा कि इस दौरान कुमार बेहोश होकर गिर गया और उसे कठुआ जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। उन्होंने बताया कि कुमार की मौत के मामले में दो अज्ञात लोगों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने आरोपियों को पकड़ने के लिए छह टीमों का गठन किया है। उन्होंने कहा कि इस घटना के संबंध में पूछताछ के लिए लगभग एक दर्जन लोगों को हिरासत में लिया गया है। अधिकारी ने बताया कि मृतक का शव पोस्टमार्टम के बाद अंतिम संस्कार के लिए उसके परिजनों को सौंप दिया गया।

भाजपा के जम्मू कश्मीर प्रधान रविन्द्र रैना भी हुये कोरोना संक्रमित

जम्मू। अब तक की सबसे बड़ी खबर। जम्मू कश्मीर भारतीय जनता पार्टी के प्रधान रविन्द्र रैना कोविड 19 पाजिटिव पाये गये हैं। उन्होंने खुद इस बात की जानकारी दी है। रैना ने टवीट् किया है। उन्होंने लिखा है कि मैं भाजपा के नेता बसीम बारी के निधन पर अफसोस करने कश्मीर गया था। चार दिन कश्मीर रहकर आया और मुझे हल्का सा बुखार हो गया। मैने जांच करवाई तो उसमें कोरोना संक्रमण पाया गया। आपको बता दें कि जम्मू कश्मीर में कोरोना संक्रमित मरीजों की संख्या में हर रोज इजाफा हो रहा है। अभी तक कोविड 19 से जम्मू कश्मीर में 19 लोगों की मौत हो चुकी है।

कोल्ड ड्रिंक्स फैक्टरी के 19 और कर्मी निकले पाजिटिव, साम्बा जिले में 31 और लोग कोरोना संक्रमित, आंकड़ा 270 के पार

साम्बा । सोमवार को साम्बा जिले में कोरोना संक्रमण के 31 नए मामले सामने आए। इन नए मामलों के सामने आने से जिले में कोरोना संक्रमितों का आंकड़ा 270 को पार कर गया है। इनमें से लगभग 140 लोग रिकवर भी हो चुके हैं। आज पाए गए इन 31 मामलों में 19 अकेले बड़ी-ब्राहमणा की मल्टीनेशनल कोल्ड ड्रिंक्स कंपनी की फैक्टरी के कर्मी हैं। गत 20 जून को फैक्टरी में कोरोना का पहला मामला सामने आया था लेकिन कंपनी की लापरवाही के चलते काम बेरोकटोक चलता रहा और संक्रमण फैल गया, जिसका नतीजा है कि आज तक फैक्टरी के 50 से अधिक लोग पाजिटिव पाए जा चुके हैं। इनके अलावा आज मिले संक्रमितों में ट्रेवलर्स भी हैं जो बाहरी राज्यों से आए हैं और इस समय अलग-अलग कवारंटीन सेंटरों में ठहराए गए हैं। वहीं जिला प्रशासन ने सुम्ब को कंटेनमेंट जोन (हॉट स्पॉट) घोषित कर दिया। साम्बा के सुम्ब में गत सप्ताह एक दुकानदार कोरोना पाजिटिव पाया गया था। इसके बाद प्रशासन ने स्थानीय दुकानदारों व संक्रमित के संपर्क में आए लोगों की तलाश सेंपल टेस्टिंग शुरू की गई तो गत दिवस एक और दुकानदार पाजिटिव पाया गया। ऐसी आशंका है कि सुम्ब के कई और लोग भी कोविड पाजिटिव पाए जा सकते हैं। इसी के चलते आज जिला मेजिस्ट्रेट ने सुम्ब व साथ लगते मोढ़ा झाई इलाके को हॉट स्पॉट घोषित कर दिया। प्रशासन ने इलाके में कंट्रोल रूम स्थापित कर इलाके के बीडीओ राजेश कुमार को नोडल अधिकारी तैनात कर दिया है। बीडीओ राजेश कुमार को नोडल अधिकारी तैनात कर दिया है। इसके अलावा सीएमओ को अगले तीन दिनों में कांटेक्ट ट्रेसिंग करने और इलाके को सेनिटाईज करने को कहा गया है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार–समाचार

सत्ता संरक्षित सिंडीकेट चल रहा है भाजपा शासन में–अखिलेश

लखनऊ (एजेसी)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा शासन में उत्तर प्रदेश में सड़क से लेकर जेल तक अपराधियों द्वारा सत्ता संरक्षित संगठित सिंडीकेट संचालित किए जा रहे हैं। सत्ता की हनक के चलते भाजपा नेता, रिश्तेदार अपनी मनमर्जी के मालिक बन बैठे हैं। उन्हें कानून का कतई डर नहीं है। मंगलवार को यहां जारी बयान में पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि कोरोना संकट काल में सरकार लोगों में सुरक्षा, रोजगार और भविष्य के प्रति सकारात्मक रवैया दिखाने में पूर्णतः विफल रही है। उन्होंने कहा कि अपराधियों को राजनीति में आने से रोकना चाहिए। समाजवादी पार्टी ने खराब छवि वालों को टिकट न देने का निर्णय बहुत पहले ही ले लिया है। पारदर्शी एवं स्वच्छ राजनीति के लिए राजनीतिक दलों एवं सरकार को स्वस्थ परम्पराओं का निर्वाह करना ही होगा। सार्वजनिक जीवन की ऐसी व्यवस्था ही समाज और राष्ट्र के हित में है।

गृह कलेश के चलते नव विवाहिता ने लगाई फांसी

अलीगढ़ (एजेसी) थाना दादों क्षेत्र में गृहक्लेष के चलते नवविवाहिता ने कमरे में बंद होकर फांसी का फंदा बनाकर अपनी जीवनलीला सम.ाप्त कर ली। मौके पर पहुंची पुलिस ने मृतका के षव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया है।

जनपद कासगंज क्षेत्र के गांव झावर निवासी प्रेम सिंह ने अपनी बेटी (25 वर्षीय) रितु की शादी 5 वर्ष पूर्व दादों क्षेत्र के गांव हुसैनपुर निवासी नवनीत से की थी। मृतका के पिता का आरोप है कि आए दिन पति–पत्नी में छोटी–छोटी बातों को लेकर विवाद होता रहता था। सोमवार को भी दोनों में विवाद हो गया, जिसके चलते मेरी बेटी ने कमरे की खुन्टी में रस्सी बांधकर आत्महत्या कर ली। सूचना पर पहुची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतिका अपने पीछे दो बच्चों को रोते बिलखते छोड़ गई है।

ससुरालीजनों ने पीट–पीटकर की नवविवाहिता की हत्या

अलीगढ़ (एजेसी)। थाना गांधी पार्क क्षेत्र में पति–पत्नी के बीच आपसी विवाद इतना तूल पकड़ गया कि ससुरालीजनों द्वारा नवविवाहिता की पीट–पीटकर हत्या कर दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मृतका के षव को कब्जे में लेकर पोस्टर्माटमगृह भिजवायाते हुये मायके वालों की तहरीर के आधार पर अभियोग पंजीकृत कर आरोपियों धर पकड़ षुरू कर दी है।

मोहल्ला अली नगर निवासी दीपक कुमार पुत्र ज्ञान सिंह की शादी चार वर्ष पूर्व हरदुआगंज क्षेत्र के गांव नगला दिलीप निवासी लेखराज सिंह की पुत्री (25 वर्षीय) विमलेश देवी के साथ हुई थी। आज सुबह किसी बात को लेकर दोनों पति पत्नी में झगड़ा हो गया,जिसके चलते ससुराल वालों ने विवाहिता की पीट–पीटकर हत्या कर दी और ससुराली जन मौके से फरार हो गए।सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतका के पिता लेखराज सिंह ने पति, देवर सास–ससुर सहित चार लोगों के खिलाफ तहरीर देते हुए कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

यूपी में कोरोना संक्रमण के 1656 नये मामले, मृतकों का आंकड़ा हुआ 983

लखनऊ (एजेसी)। उत्तर प्रदेश में बीते 24 घंटे के दौरान कोरोना संक्रमण के 1656 नये मामले सामने आये जबकि 28 और मौतों के साथ मृतकों का आंकडा मंगलवार को 983 पहुंच गया। अपर मुख्य सचिव गृह एवं सूचना अवनीश कुमार अवस्थी ने बताया कि प्रदेश के 75 जिलों में संक्रमण के उपचाराधीन मामलों की संख्या 13 हजार 760 है। बीते 24 घंटे में कोरोना संक्रमण के 1656 नये मामले सामने आये हैं। उन्होंने बताया कि 24 हजार 981 लोग पूर्णतया उपचारित होकर अपने घरों को जा चुके हैं जबकि पिछले 24 घंटे में 28 और मौतों के साथ मृतकों की संख्या बढकर 983 हो गयी है। उन्होंने बताया कि पूल टेस्टिग के माध्यम से सोमवार को पांच पांच पूल के 2447 पूल लगाये गये, जिनमें से 366 पूल पाजिटिव पाये गये । दस दस सैम्पल के 382 पूल लगाये गये और इनमें से 71 पूल पाजिटिव निकले। अपर मुख्य सचिव ने कहा इस बात पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है कि किसी भी सूरत में टेस्टिग के कार्य में कोई कमी ना आये।

फैक्ट्री मालिक की हत्या में वकील सहित 2 सगे भाई गिरफ्तार

नोएडा (एजेसी)। ग्रेटर नोएडा से गायब हुए फैक्ट्री मालिक की हत्या का मामला सामने आया है। पुलिस का दावा है कि फैक्ट्री मालिक की हत्या उसके ही तीन दोस्तों ने की थी। पुलिस ने घटना में शामिल दो सगे भाइयों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर मथुरा के बलदेव थाना क्षेत्र स्थित गंगनहर से कारोबारी क शव बरामद कर लिया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से मृतक फैक्ट्री मालिक का मोबाइल फोन, सोने की चेन आदि सामान बरामद किया है। पुलिस का दावा है कि आपसी कहासुनी के बीच आरोपियों ने हत्या की थी। डीसीपी राजेश कुमार सिंह ने बताया कि ग्रेटर नोएडा की गौड अतुल्यम सोसाइटी में रहने वाले फैक्ट्री मालिक आदित्य सोनी 5 जुलाई को दिल्ली जाने के लिए घर से निकले थे, लेकिन उसके बाद वापस नहीं लौटे। इस संबंध में आदित्य की मां ने कासना कोतवाली में आदित्य की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज करवाई थी। पुलिस ने मामनले की जांच–पड़ताल शुरू की तो पता चला कि आदित्य को उसके दोस्तों के साथ देखा गया था।

पुलिस ने शक के आधार पर आदित्य के दो दोस्त देव और पंकज को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो आरोपियों ने सच उगल दिया। पुलिस पूछताछ में आरोपी देव और पंकज ने बताया कि घटना के दिन उनका आदित्य से किसी बात को लेकर विवाद हुआ था। देव और पंकज ने अपने एक साथी शनि के साथ मिलकर आदित्य की गला दबाकर हत्या कर दी थी। उसके बाद शव को अपनी गाड़ी में डालकर दनकौर कोतवाली क्षेत्र के जमालपुर गांव के पास गंग नहर में फेंक दिया था। आरोपियों ने आदित्य का मोबाइल, सोने की चेन और कड़ा आदि सामान लूट लिया था। पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर मथुरा के बलदेव थाना क्षेत्र स्थित गंग नहर से आदित्य के शव को बरामद किया है। परिजनों ने शव की शिनाख्त कर ली है। डीसीपी ने बताया कि आरोपी देव और पंकज दोनों सगे भाई हैं और किसी बात को लेकर कहासुनी हुई और गाली–गलौज हो गई थी। पुलिस फरार आरोपी सनी की तलाश में जुटी है।

क्वार्सी थाने में पढ़ा हनुमान चालीसा 120 लोगो पर मुकदमा

क्रांति समय सुरत

अलीगढ़ (एजेसी)। बसपा पार्षद सद्दाम हुसैन की गिरतारी को लेकर संगठनों ने मंगलवार को क्वार्सी थाने में हनुमान चालीसा पढ़ा,और गिरतारी देने पर अड़ गए, लेकिन पुलिस ने गिरतारी का आश्वासन देकर लौटा दिया।

सीओ तृतीय अनिल समानिया ने बताया कि 20 नामजद व सौ अज्ञात लोगों के खिलाफ ध ाारा 188 व महामारी अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया जा रहा है। कानपुर के विकास दुबे के उज्जैन महाकाल में गिरतारी के बाद बसपा पार्षद

सद्दाम हुसैन ने महाकाल मंदिर को आतंकवाद का अड्डा बताया था। जांच की मांग भी की थी। भाजयुमो जिलाध्यक्ष मुकेश लोध ी की तहरीर पर क्वार्सी थाने में सद्दाम हुसैन के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया, मगर गिरतारी नहीं हुई। बजरंग दल के महानगर संयोजक गौरव शर्मा ने कहा कि सद्दाम के प्रति पुलिस–प्रशासन का उदासीन रवैया ही आंदोलन को बाध्य कर रहा है। मंगलवार को सुबह क्वार्सी थाने में सामूहिक हनुमान चालीसा का पाठ किया गया। प्रशासन की कार्रवाई से अब हिंदू समाज घबराने वाला नहीं है। हिंदू जागरण मंच,जन क्रांति मंच, आहुति संस्था,अखिल भारत हिन्दू महासभा,हिन्दू छात्र वाहिनी, राष्ट्रीय वीरांगना दल आदि संगठनों ने बजरंग दल के साथ आंदोलन में शामिल होने की सहमति जताई है। शहर के तमाम मंदिरों के भी पुजारी साथ में रहे।

पुत्रवधू से छेड़छाड़ के आरोपी ससुर को भेजा जेल

क्रांति समय सुरत

हाथरस (एजेसी)। थाना हा.थरस गेट क्षेत्र के एक गांव निवासी एक महिला द्वारा अपने

ससुर पर बुरी नजर रखने व उसके ससुर द्वारा छेड़छाड़ करने की थाना हाथरस गेट में रिपोर्ट दर्ज कराए जाने के बाद पुलिस द्व ारा आज आरोपी ससुर को गिरतार कर जेल भेजा गया है।

पुलिस के मुताबिक पीड़िता द्व ारा 12 जुलाई को अपने ससुर के खिलाफ तहरीर दी गई थी कि उसका ससुर भोला शंकर उर्फ राधेश्याम पुत्र स्वर्गीय हरीसिंह निवासी गांव बुधू हेमराज उस पर गलत नजर रखता है और उसे गंदी नजरों से देखता है तथा उसकी शिकायत जब उसने अपने मायके वालों से की थी तो तभी गांव में मायके वालों की पंचायत जुड़ी थी। जिसमें ससुर ने पंचायत में माफी मांगी थी और बुरी नीयत से नहीं देखने के लिए भी कहा था। लेकिन ससुर अपनी हरकतों से बाज नहीं आया और उसने उसे 11 जुलाई की रात को सोते समय बुरी नीयत से पकड़ लिया और उसके साथ छेड़छाड़ कर जबरदस्ती करने की कोशिश करने लगा।

उक्त घटना की रिपोर्ट के बाद पुलिस द्वारा आरोपी ससुर भोला शंकर उर्फ राधेश्याम को आज गिरतार कर जेल भेज दिया गया है। गिरतार करने वाली पुलिस टीम में एसआई राजेश कुमार व मोहित कनकन, सिपाही रोहित कुमार शामिल थे।

नोएडा में पुलिस और लुटेरों के बीच हुई मुठभेड़

क्रांति समय सुरत

नोएडा (एजेसी)। नोएडा थाना फेस–2 की पुलिस और बदमाशों के बीच सोमवार देर रात हुई मुठभेड़ में पुलिस द्वारा चलाई गई गोली में दो बदमाश घायल हो गए। ये बदमाश इससे पहले चोरी और लूटपाट के कई मामलों में जेल जा चुके हैं। अपर पुलिस उपायुक्त जोन द्वितीय अंकुर अग्रवाल ने बताया कि थाना फेस–2 क्षेत्र के से.क्टर–83 में स्थित ट्रांसफॉर्मर बनाने वाली कंपनी से अज्ञात बदमाशों ने सात जुलाई की रात को लाखों रुपये की कीमत का तांबा, पीतल, एल्मुनियम और स्टील का सामान तथा एक मोटरसाइकिल चोरी कर ली थी।

उन्होंने बताया कि घटना की जांच कर रही पुलिस ने सोमवार देर रात मिली एक सूचना के आधार पर कुल.सरा बॉर्डर से बस में सवार होकर जा रहे छह चोरों–सोनू नंबरदार, विजय नेपाली, सलमान, गुलजार, सद्दाम, सोनू को गिरफ्तार कर लिया, जबकि बस में सवार दो चोर तथा पीछे से मोटरसाइकिल पर आ रहे दो अन्य बदमाश मौके से भाग गए। उन्होंने बताया कि पुलिस ने गिरफ्तार किए गए छह बदमाशों के पास से कंपनी से चोरी किया गया कीमती सामान और घटना में प्रयुक्त बस को बरामद किया है।

भागे हुए बदमाशों की तलाश में पुलिस ने जांच शुरू की। अग्रवाल ने बताया कि रात दो बजे के करीब पुलिस ने एक मोटरसाइकिल पर सवार होकर इस गिरोह के दो बदमाशों को आते हुए देखा। पुलिस ने उन्हें रुकने का इशारा किया तो बदमाशों ने पुलिस पर ताबड़तोड़ गोली चला दीं। इसके बाद जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने भी गोली चलाईं।

पुलिस द्वारा चलाई गई गोली गाजियाबाद के निवासी प्यार मोहम्मद उर्फ प्यारू तथा बुलंदशहर के निवासी रिजवान के पैर में लगी। अपर पुलिस उपायुक्त ने बताया कि घायल बदमाशों को इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

साथ ही बताया कि गिरफ्तार बदमाश थाना टीला मोड़ के हिस्ट्रीशीटर बदमाश हैं तथा लूटपाट और चोरी के कई मामलों में इससे पूर्व जेल जा चुके हैं। इनके पास से ट्रांसफॉर्मर बनाने वाली कंपनी से चोरी की गई मोटरसाइकिल और अवैध हथियार बरामद किए गए हैं

सीतापुर में कहर बरपाने के बाद टिड्डियों का दल राजधानी की ओर कर गया कूच

क्रांति समय सुरत

सीतापुर(एजेसी)। जिले में कहर बरपाने और किसानो का भारी नुकसान करने के बाद अब टिडिडयों का दल राजधानी की ओर रूकसद कर गया है लेकिन जानकारों की माने तो टिड्डियों की अपनी दिशा तय नही होती है इनके दिल की दिशा तो हवा का रूख ही तय करता है। जिस दिशा की ओर हवाएं चलेगी दल उसी दिशा की ओर जाकर जो भी इलाका पड़ता है उस पर आक्रमण कर देते है। टिड्डियों ने जिले की सीमा के खेतों पर शनिवार को धावा बोला। वह तीसरे दिन सोमवार को भी चार ब्लॉक के 22 गांवों में किसानों की फसलों पर हमलावर रही। इससे किसान परेशान रहे। वह थाली, घंटा बजाकर व धुआं करके इन्हें भगाने में लगे रहे। चीनी मिल व कृषि विभाग ने संयुक्त रूप से रसायन का छिड़काव किया। इससे टिड्डी दल बहराइच की सीमा में प्रवेश कर गया। उरद व मक्का की फसल को आंशिक नुकसान हुआ। कृषि विभाग के अनुसार लगभग दो प्रतिशत फसलों का नुकसान हुआ है।जिले के किसान सोमवार को टिड्डियों के फसलों पर हमले के कारण परेशान रहे। वह रातभर जागते रहे। जिन गांवों में टिड्डी दल के पहुंचने की जैसे ही सूचना मिली, वहां के ग्रामीण परिवार सहित खेतों में उमड़ पड़े। वह थाली, घंटा बजाकर व धुआं कर इन्हें भगाने में लगे रहे। टिड्डियों ने विकासखंड मछरेहटा के 13 गांवों में धावा बोला। मछरेहटा प्रतिनिधि के अनुसार, गांवों में टिड्डियों का कहर तीसरे दिन भी जारी रहा। बीहट, विक्रमपुर पुरवा, भदेभर, दौलतपुर, चितरेहटा, आ.लीनगर, बारेपारा गांव में सुबह से टिड्डियों ने हमला किया।क्षेत्र के किसानों ने ढोल और थालियों की आवाज से टिड्डियों को भगाने की कोशिश की। रामगढ़ शुगर मिल के

अधिकारी व कर्मचारी ने भी गांवों में पहुंच कर किसानों को जागरूक किया और छिड़काव भी कराया। सुनील कुमार बालियान वरिष्ठ प्रबंधक गन्ना, अभिषेक वर्मा गंन्ना सुप.रवाइजर, बिजय शंकर चैबे, अजय मिश्रा सुपरवाइजर ने गांव–गांव जाकर किसानों को टिड्डियों से बचाव के उपाय बताए। बारेपारा सहित दर्जनों गांवों मे भ्रमण भी किया।जंहगीराबाद प्रतिनिधि के अनुसार दोपहर में टिड्डियों का दूसरा झुंड जहांगीराबाद एवं उसके आसपास आ गया। खेतों के अलावा गांव व कस्बा में घरों व पेड़ों बैठ गईं।

ग्रामीणों ने तेज आवाज कर थालियां एवं तालियां बजाकर इन्हें भगाया। पहला ब्लॉक के दो गांवों, बेहटा ब्लाक के छह एवं सिधौली ब्लॉक के एक गांव में टिड्डी दल का फसलों पर प्रकोप रहा। उड़द एवं मक्का की कुछ दिन पहले बोई फसल को नुकसान हुआ है।

इन गांवों से टिड्डियां लखीमपुर, रामपुर मथुरा, रेउसा होते हुए बहराइच जिले में दाखिल हो गईं। इसके पूर्व शनिवार को टिड्डी दल ने कुतुबनगर, मिश्रिख, मछरेहटा, सिधौली, बिसव.ां, महमूदाबाद एवं रामपुर मथुरा के गांवों में फसलों को नुकसान पहुंचा था। रविवार को ब्लॉक लहरपुर, कमलापुर, मिश्रिख के विभिन्न गांवों में धावा बोलकर फसलों को चट किया।

स्वच्छता एवं सेनिटाइजेशन से कोविड–19 व संचारी रोग किए जा सकते हैं नियंत्रित–मुख्यमंत्री योगी

लखनऊ (एजेसी)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि स्वच्छता एवं सेनिटाइजेशन के द्वारा न केवल कोविड–19 को अपितु संचारी रोगों को भी काफी हद तक नियंत्रित किया जा सकता है। शनिवार एवं रविवार की साप्ताहिक बन्दी इसी कार्यवाही का हिस्सा है। इस दौरान मेडिकल स्क्रीनिंग, सर्विलांस टीम तथा एम्बुलेंस सेवा को सक्रिय रखते हुए बीमारी में मृत्यु दर को नियंत्रित किया जा सकता है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मंगलवार को एक उच्च स्तरीय बैठक में अनलॉक व्यवस्था की समीक्षा कर रहे थे। कोविड–19 के प्रसार को नियंत्रित करने में सर्विलांस कार्य की भूमिका पर बल देते हुए उन्होंने कहा कि सर्विलांस टीम की सक्रियता से कोरोना के संक्रमण को रोका जा सकता है। सर्विलांस टीम के पास इन्फ्रारेड थर्मामीटर, पल्स ऑक्सीमीटर तथा सेनिटाइजर अवश्य हो। उन्होंने कहा कि कोविड–19 से बचाव के लिए लोगों को निरन्तर जागरूक किया जाए। मास्क के अनिवार्य उपयोग तथा सोशल डिस्टेंसिंग के पूर्ण पालन के लिए जागरूकता का कार्य पूरी गति से संचालित किया जाए।

मुख्यमंत्री योगी ने समस्त कोविड तथा नॉन कोविड अस्पतालों की व्यवस्थाओं को चुस्त–दुरुस्त बनाए रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अस्पतालों में चिकित्सकों तथा नर्सिंग स्टाफ द्वारा नियमित राउण्ड लिया जाए। पैरामेडिक्स द्वारा रोगियों की मॉनिटरिंग की जाए। कोविड तथा नॉन कोविड अस्पतालों सहित समस्त चिकित्सालयों, मेडिकल कॉलेज एवं चिकित्सा संस्थानों में ऑक्सीजन की सुचारु व्यवस्था उपलब्ध रहनी चाहिए। उन्होंने प्रत्येक स्तर के अस्पताल में फायर सेफ्टी के सभी प्रबन्ध सुनिश्चित करने के निर्देश देते हुए कहा कि समस्त मुख्य चिकित्सा अधिकारी अपने–अपने जनपद के अस्पतालों के कार्यो की नियमित मॉनिटरिंग करें। उन्होंने कहा कि बाढ़ नियंत्रण के सम्बन्ध में पूरी सतर्कता बरती जाए। तटबन्ध आदि का मरम्मत कार्य प्राथमिकता पर पूरा किया जाए। बाढ़ राहत शिविर समय से तैयार कर लिए जाए। टिड्डी दल को नियंत्रित करने के लिए पूरी सतर्कता बरतते हुए प्रभावी कार्यवाही की जाए। गौ–आश्रय स्थलों की साफ–सफाई व्यवस्था को सुदृढ़ करते हुए गौवंश के लिए चारे की सुचारु व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

मामला नगर कोतवाली क्षेत्र के आवास विकास का

परिवार के चार लोगों का संदिग्ध परिस्थितियों में मिला शव

क्रांति समय सुरत

बाराबंकी(एजेसी)। नगर कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत आवास विकास कॉलोनी में बीती रात एक ही परिवार के दो मासूम बच्चो सहित दंपत्ति ने आत्महत्या कर ली। प्राप्त जानकारी के अनुसार मऊ जनपद के थाना घोसी के रहने वाले ललित किशोर गौड़ और उनकी पत्नी प्रीति व दो बच्चे प्रेम (12) और अप्रित (2) के साथ आवास विकास कालोनी में योगेन्द्र सिंह के मकान में दो वर्षो से किराये पर रह रहे थे। सुबह करीब 6 बजे दूधवाला आया और बुलाने लगा। जब काफी देर तक दरवाजा नही खुला। फिर लोगों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने दरवाजा तोड़कर अंदर दाखिल हुई। वहां पर दो बच्चों और दम्पति का शव फंदे से लटकता मिला। पुलिस अधीक्षक डॉ. अरविंद चतुर्वेदी ने बताया कि एक सुसाइड नोट टीवी से चस्पा मिला है। शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस अध ीक्षक ने मौके पर पहुंचकर घटनास्थल का जायजा लिया है और मकान मालिक से पूछताछ भी की है। हमारा जिला अनेकता में एकता का प्रतीक है : कासिम

बाराबंकी। गुरूद्वारा साहब कमेटी के नवनियुक्त पदाधिकारियों का स्वागत राजा कासिम प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य भाजपा के नेतृत्व में तमाम मुस्लिमों ने मिलकर वृक्ष मोदी गमछा व मिठाई खिलाकर किया। इस मौके पर सिख समुदाय के लोगों को सम्बोधित करते हुए कासिम ने कहा कि बाराबंकी उत्तर प्रदेश का एक ऐसा जिला है जहाँ पर सभी धर्मो का आदर सम्मान होता है व हर मजहब के लोग निवास करते हैं हमारा जिला अनेकता में एकता का प्रतीक है। कार्यक्रम आयोजक जुबेर अहमद खां, फराज हुसैन, ताहिर किदवई, मकशिद रजा के साथ तमाम मुस्लिम भाईयों ने नवनियुक्त कमेटी का गर्मजोशी के साथ स्वागत किया।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कोरोना से डरे हीरा व्यापारी ने नदी में कूदकर जान दी

क्रांति समय सुरत

सूरत , शहर में कोरोना के लगातार बढ़ रहे मामलों से लोगों में दहशत बढ़ती जा रही है।

ऐसे में सूरत के एक हीरा व्यापारी ने कोरोना से भयभीत होकर नदी में कूदकर अपनी जान दे दी। रविवार से लापता व्यापारी का शव तापी नदी से बरामद हुआ। जानकारी के मुताबिक सूरत के लंबे हनुमान रोड पर हेप्पी पैलेस निवासी विनोद खख्खर हीरा का व्यापार करते थे।

अमरेली जिले के चलाला के मूल निवासी विनोद खख्खर की तबियत बिगड़ने पर रविवार रात करीब 9 बजे सिटी स्केन करायाद्य 1 बजे मिली रिपोर्ट में विनोद खख्खर को कोरोना का 20–25

प्रतिशत होने का पता चला।

आर्थिक संकट के बीच खुद को या परिवार को कोरोना हो गया तो क्या होगा? यह सोचकर विनोद खख्खर परेशान हो गए।

सोमवार की सुबह विनोद सुबह 7.30 दुपहिया वाहन से अपने घर से निकलेद्य काफी देर तक घर नहीं लौटने पर उनकी खोजबीन शुरू की गई।

उस दौरान उनका वाहन तापी नदी के ब्रिज पर मिला। विनोद के आत्महत्या करने की आशंका के चलते पुलिस ने फायर ब्रिगेड की मदद से तापी नदी में खोजबीन शुरू कीद्य काफी मशक्कत के बाद आद विनोद खख्खर का शव तापी नदी से बरामद हुआ।

मृतक विनोद के पुत्र सार्थ ने कोरोना के डर से उसके पिता ने आत्महत्या की होने की आशंका जताई हैद्य फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

कोरोना से मौत के गलत आंकड़े बताने पर एम्ब्युलैंस के ड्राइवर के खिलाफ मामला दर्ज

क्रांति समय सुरत

सूरत, सूरत शहर में कोरोना संक्रमितों की संख्या में लगातार इजाफा हो रहा हैं।

और इन सबके बीच एम्ब्युलैंस 108 के एक ड्राइवर की इस बीमारी से हुई मौत के गलत बताने पर उसके खिलाफ क्राइम ब्रांच ने मामला दर्ज किया हैं।

ड्राइवर ने अपने किसी परिचित से बातचीत में कहा कि बीते दिन उसने 70–80 लाशें देखी हैंद्य ड्राइवर और उसके परिचित के बीच हुई बातचीत की ऑडियो क्लीप वायरल हुई है।

गुजरात में अहमदाबाद के बाद सूरत में कोरोना के मामले तेजी से बढ़ रहे हैंद्य ऐसे में एम्ब्युलैंस 108 के ड्राइवर और उसके परिचित के बीच डराने वाली बातचीत सामने आई है।

एम्ब्युलैंस 108 का रमेश नामक ड्राइवर अपने परिचित चंदूभाई से कह रहा है कि जितनी जल्दी हो सके सूरत छोड़ दोद्य रमेश

कहता है

कि सूरत में कोरोना बेकाबू हो गया है और हर दिन 70 से 80 लोगों की मौत हो रही है।

लेकिन सरकार कोरोने से केवल 4–5 मौतें बताती हैं।

रमेश कहता है कि अस्पतालों में बैड खाली नहीं है, इसलिए संभव हो तो दीपावली तक अपने गांव में रहना ही बेहतर होगा। रमेश का कहना है कि वह डरता नहीं था, लेकिन पिछले दिन में लाशें देख उसे अब डर लगने लगा है।सूरत क्राइम ब्रांच ने ऑडियो क्लीप वायरल करने वाले ड्राइवर के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू की है।

गुजरात में चार वाटर एयरपोर्ट स्थापित कर शुरू की जाएगी सी प्लेन सर्विस

क्रांति समय सुरत

अहमदाबाद (एजेसी) मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने गुजरात में चार वाटर

एयरपोर्ट के विकास के लिए राज्य सरकार की ओर से

केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्रालय और भ.ारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) के साथ समझौता करार के लिए बुधवार को आहूत मंत्रिमंडल की बैठक में दरख्वास्त करने का निर्णय किया है।

भारत सरकार की री. जनल कनेक्टिविटी स्कीम (आरसीएस)–उड़ान 0.3 और 0.4 वर्जन के अंतर्गत ये चार जलीय हवाई अड्डे साबरमती रिवरफ्रंट–अहमदाबाद, सरदार सरोवर डैम नर्मदा–केवड़िया, शेत्रुंजय डैम–पालीताना और

धरोई डैम–महेसाणा में विकसित कर हवाई सेवाएं शुरू की जाएंगी।

राज्य सरकार को इसके लिए 1 से 2.5 एकड़ भूमि उपलब्ध जरूरत के मुताबिक करानी होगी। यही नहीं, भविष्य में केंद्र के नागरिक उड्डयन मंत्रालय की ओर से मंजूरी मिलने के बाद अन्य स्थलों पर भी ऐसे हवाई अड्डे स्थापित कर हवाई सेवाओं का दायरा बढ़ाया जाएगा। जलीय हवाई अड्डा खुले व शांत जल सतह वाला एक क्षेत्र होता है जिसका उपयोग एम्फीबियस विमान द्व ारा उड़ान और विमान को उतारने के लिए हो सकता है। इसके अलावा, ट्रैफिक को देखते हुए जलीय हवाई अड्डे में तटों पर विमान को पार्क किया जा सकता है। वहीं, जम. ीनी क्षेत्र परर टर्मिनल बिल्डिग हो सकती है।

कई टापू वाले देशों में विशेषकर ब्रिटिश वर्जिन आ. इलैंड जैसे समृद्ध देश में वाटरड्रम हैं। इसके अतिरिक्त कनाडा में ग्रेट स्लेव झील पर यलो नाइफ, वैंकुवर आइलैंड पर टोफिनो और श्वाटका झील पर व्हाइट हॉर्स का समावेश होता है। गुजरात में भी वाटर एयरोड्रम सेवा के शुरू होने से लोगों को हवाई सेवा उपलब्ध होने के साथ–साथ पर्यटन गतिविधियों को गति मिलेगी।

इसके अलावा, राज्य में रोजगार के और भी अधिक अवसर पैदा होंगे और प्राकृतिक आपदा के दौरान ऐसे वाटर ड्रम उपयोगी साबित होंगे।

इस प्रोजेक्ट में भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण इंप्लिम. ेंटिंग एजेंसी के तौर पर कार्य करेगा। प्राधिकरण ऐसे जलीय हवाई अड्डे के विकास के लिए मास्टर प्लानिंग के लिए राज्य सरकार को मदद करेगा।

एएआई जलीय हवाई अड्डे को विकसित करेगा। वाटर नेशनल हाइड्रोग्राफिक ऑफिस इस जलीय हवाई अड्डे साइट का सर्वे करेगा।

गुजरात सरकार को ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट पॉलिसी के अंतर्गत वाटर एयरोड्रम साइट क्लियरेंस केंद्र सरकार की संबंधित स्टियरिंग कमेटी से हासिल करना होगा।

राज्य सरकार जलीय हवा. ई अड्डे का संचालन और रखरखाव करेगी साथ ही बिजली, पानी समेत अन्य सेवाएं उपलब्ध कराएगी। वाटर एयरपोर्ट के विकास की आवश्यक मंजूरियां भी राज्य सरकार को प्राप्त करनी होगी तथा जरूरत के अनुसार जमीन उपलब्ध करानी होगी।

इस जमीन का स्वामित्व राज्य सरकार की ओर से निदेशक, नागरिक उड्डयन के पास होगा।

मंत्री के बेटे को रोकने वाली महिला पुलिसकर्मी की हो रही तारीफ

सूरत (**क्रांति समय सुरत**)। गुजरात के मंत्री के बेटे के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने वाली सूरत पुलिस की महिला कांस्टेबल सुनीता यादव की सोशल मीडिया पर जमकर तारीफ हो रही है। उनकी कार्रवाई के बाद मंत्री के बेटे के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई थी और उसे गिरफ्तार किया गया था। दरअसल, गुजरात के स्वास्थ्य राज्य मंत्री कुमार कनानी के बेटे को उसके दो दोस्तों के साथ सूरत में रविवार को रात का कर्फ्यू तोड़ने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। वरछा के विधायक के बेटे प्रकाश कनानी और उसके दो दोस्तों को यादव के साथ बहस का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया था। बाद में तीन को जमानत पर छोड़ दिया गया था। इसके बाद से यादव की सोशल मीडिया पर भाजपा के मंत्री के बेटे और उसके दो दोस्तों को रोकने के लिए तारीफ हो रही है। कुछ लोग यादव को लेडी सिंघम बता रहे हैं और कह रहे हैं कि उन्हें गुजरात के पूरे पुलिस बल का नेतृत्व करना चाहिए। वहीं कुछ का कहना है कि उन्हें 2022

के विधानसभा चुनाव में टिकट दिया जाए और कुमार कनानी के खिलाफ उतारा जाए। ट्विटर पर मैं सुनीता यादव का समर्थन करता हूं ट्रेंड कर रहा है। दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष स्वाती मालीवाल ने उन्हें अपना समर्थन दिया और उस वीडियो को साझा किया जिसमें यादव फोन पर कुमार कनानी से बात करते हुए देखी जा सकती हैं। मालीवाल ने कहा कि एक ईमानदार अधिकारी को यह नहीं सिखाइए कि ड्यूटी कैसे की जाती है।

पहले अपने बेटे को बताएं कि कैसे व्यवहार करना चाहिए। वहीं, पूर्व आईपीएस अधिकारी डीजी वंजारा ने भी युवा कांस्टेबल की तारीफ की।

उन्होंने कहा कि मैंने अपनी सेवा के दौरान ऐसे एसपी देखे हैं जिनकी क्षमता कांस्टेबलों से बदतर थी जबकि मैंने ऐसे कांस्टे. बलों को देखा है जो मौका मिलने पर एसपी से बेहतर होते।

2022 में गुजरात में कांग्रेस 2/3 बहुमत के साथ बनाएगी सरकार : हार्दिक पटेल

क्रांति समय सुरत

अहमदाबाद (एजेसी) गुजरात कांग्रेस के नवनियुक्त प्रदेश के कार्यकारी अध्यक्ष हार्दिक पटेल ने कहा है कि आगामी 2022 में राज्य में दो तिहाई बहुमत के साथ उनकी पार्टी सरकार बनाएगीद्य फिलहाल उनका लक्ष्य गुजरात के 16000 गांवों की यात्रा कर लोगों की समस्याओं को सुनना और उसका समाधान करने की दिशा में प्रयास करना है। उन्होंने कहा कि किसी व्यक्ति के सफर की शुरुआत सामाजिक या राजनीति से होती है और मैं उसी कार्य की शुरुआत करता हूं,

जिसमें मुझे सफलता मिले आंदोलन की शुरुआत की उसमें सफलता मिली मेरा प्रयास है कि गुजरात के सभी गांव समृद्धशाली बनें केवल, अहमदाबाद और गांध ीनगर के समृद्ध होनेसे कुछ नहीं होगा। हार्दिक ने कहा कि भाजपा ने लोगों के साथ अन्याय नहीं किया होता तो मुझे आंदोलन करने की जरूरत नहीं होतीद्य मौजूदा समय में लोगों को कांग्रेस जोड़ना मुश्किल जरूर है, लेकिन असंभव नहीं हैद्य लोग आज सरकार के खिलाभ आवाज उठाने से इसलिए डरते हैं क्योंकि उन्हें जेल जाने का

भय है। जबकि सरकार लगातार लोकतंत्र के खिलाफ काम कर रही है।

जब कांग्रेस की सरकार थी तब लोग विरोध कर सकते थे और उस वक्त किसी को जेल नहीं भेजा जाता थाद्य हार्दिक ने कहा कि वह किसी गुट के नहीं बल्कि जनता गुट के व्यक्ति हैं।

गुटबाजी और परिवारवाद सभी जगह होता है और उसमें तालमेल करना जरूरी है।

कांग्रेस एक गुट है और राज्य 6 करोड़ जनता कांग्रेस का गुट हैद्य लेकिन कांग्रेस में कोई गुटबंदी नहीं है। गुजरात कांग्रेस में आंतरिक कलह पर हार्दिक ने कहा कि किसी को यदि कोई नाराजगी है तो पार्टी से इस्तीफा देकर भाजपा में शामिल होने का कोई मतलब नहीं है।

क्योंकि 2.5 लाख जनता ने अपनी सेवा के लिए उसे विधानसभा में भेजा है।

लेकिन कुछ नेता जेल जाने के डर से भाजपा में शामिल हो रहे हैंद्य उन्होंने माना कि गुजरात कांग्रेस में आंतरिक कलह है

और इसे दूर करने का हम प्रयास करेंगे और आनेवाले दिनों में जनता के समक्ष मजबूती के साथ अपने मुद्दे पेश करेंगे।

हार्दिक पटेल ने कहा कि जिस प्रकार देश में सरकारें चुनी जाती हैं, उसी प्रकार विपक्ष भी चुना जाता है। राज्य और देश में मजबूत विपक्ष अच्छे लोकतंत्र की निशानी है।

गुजरात में 2002, 2007 और 2012 तक कांग्रेस 60 से 65 सीटें जीतती थी, लेकिन 2017 में पहली बार कांग्रेस को 75 से ज्यादा सीटों पर सफलता मिली। उन्होंने कहा कि आगामी 2022 में होनेवाले गुजरात विधानसभा के चुनाव कांग्रेस 120 से ज्यादा सीटें जीतकर सरकार बनाएगी।

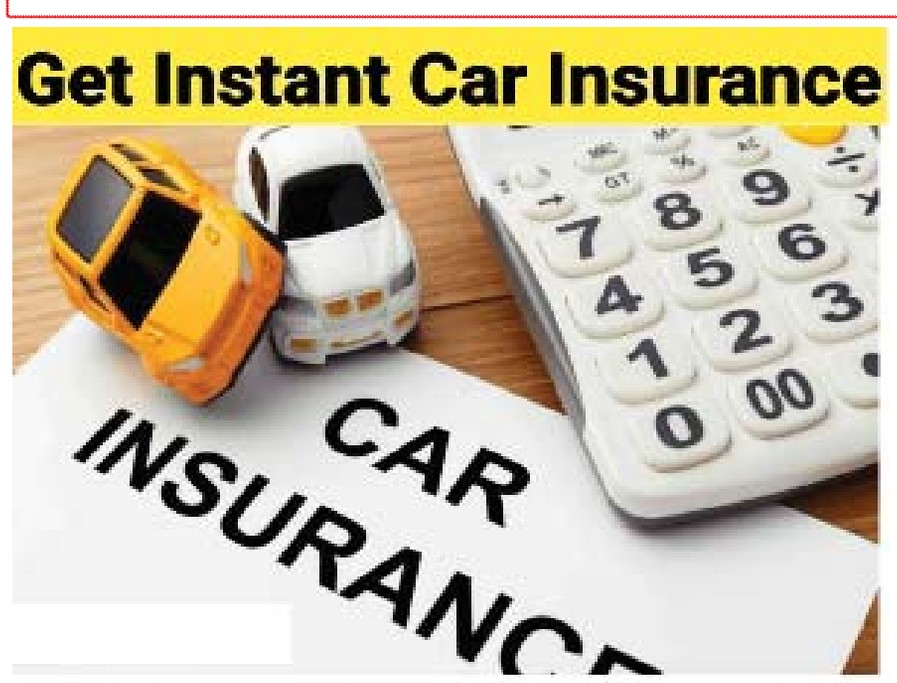

गुजरात में 915 नए केसों के साथ कोरोना मामलों की संख्या पहुंची 43723 पर

अहमदाबाद (एजेसी) गुजरात में पिछले 24 घंटों के दौरान 915 नए केसों के साथ कोरोना का आंकड़ा 43723 पर पहुंच गया हैं

इस दौरान 949 लोग ठीक हुए हैं और 14 मरीजों की कोरोना से मौत हो गईद्य स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक पिछले 24 घंटों में सूरत में कोरोना के 291 नए केस सामने आए और 247 लोग ठीक हुएं । अहमदाबाद में 167 नए केस दर्ज हुए और 180 लोगों को डिस्चार्ज किया गयां।

वडोदरा में 76, भावनगर में 45, सुरेन्द्रनगर में 33, भरुच में 28, बनासकांठा में 21, मेहसाणा में 21, दाहोद में 19, राजकोट में 24, खेडा में 15, गांधीनगर में 26, वलसाड में 14, जामनगर में 18, जूनागढ़ में 13, आणंद में 10, नवसारी में 10, महीसागर में 9, पाटन में 9, पंचमहल में 8, साबरकांठा में 8, गिर सोमनाथ में 7, कच्छ में 7, तापी में 7, मोरबी में 5, नर्मदा में 4, छोटाउदेपुर में 3, अमरेली में 2, बोटाद में 2, पोरबंदर में 2 और अरवल्ली में समेत राज्य में कुल 915 नए मामले दर्ज हुए और 749 लोगों को डिस्चार्ज किया गया।

पिछले 24 घंटों में अहमदाबाद में 3, सूरत में 5, वडोदरा में 3, बनासकांठा में 1, भावनगर में 1 और गांधीनगर में 1 समेत कुल 14 मरीजों की कोरोना से मौत हो गई ।

स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक राज्य में अब तक 478367 टेस्ट किए गए हैं, जिसमें 43723 कोरोना संक्रमित पाए गएद्य 43713 में से अब तक 30555 लोग कोरोना से निजात पा चुके हैं और 2071 मरीजों की अब तक मौत हो चुकी हैं ।शेष 11097 में से 11026 की हालत स्थिर है और 71 मरीज वेन्टीलेटर पर हैंद्य राज्य में कुल 339412 लोग कोरन्टाइन किए गए हैं। जिसमें 336843 होम कोरन्टाइन हैं और 2569 लोग फैसिलिटी कोरन्टाइन हैं।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)